संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-109 ■ रायपुर, बुधवार 16 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग

तिथि : पंचमी
नक्षत्र : विशाखा
प्रथम करण : बालवा
द्वितीय करण : कौवाला
पक्ष : शुक्ल
वार : बुधवार
योग : वैधृति
सूर्योदय : 06:07
सूर्यास्त : 18:17
चंद्रमा : तुला राशि में
राहुकाल : 12:12 - 13:43
विक्रमी संवत्: 2083
शक संवत : 1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

बंदर के हमले में केयरटेकर घायल

नई दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर लापरवाही सामने आई। चिड़ियाघर में बाड़े से बाहर आए एक बंदर के हमले में एक कर्मचारी और एक टूरिस्ट घायल हो गए। बंदर के हमले में कर्मचारी की एक अंगुली कट गई और उसके दोनों पैरों पर गहरे घाव हो गए। इस घटना से वहां आए लोगों में अफरातफरी मच गई। इसके बाद चिड़ियाघर के अधिकारी घायल केयरटेकर को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। चिड़ियाघर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी बंदर ने दिसंबर 2025 में एक और कर्मी पर हमला किया था। यह घटना सोमवार सुबह हुई, जब देखभाल कर्मी आलोक गैलरी में गए। यह जगह जानवरों के बाड़ों के बाहर होती है तथा इसका इस्तेमाल केयरटेकर और चिड़ियाघर के दूसरे कर्मचारी करते हैं। आलोक ने बताया कि रविवार रात बंदर (बोनट मकाक प्रजाति) अपने बाड़े से बाहर निकल आया, क्योंकि उसका गेट ठीक से बंद नहीं किया गया था ऐसे में वह केयरटेकर गैलरी में घुस गया।

महिला बाइक राइडर सिया को टक्कर मारने का आरोपी हिरासत में

गुरुग्राम। दिल्ली-NCR में गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। सीसीटीवी फुटेज के गहन विश्लेषण के बाद पुलिस ने केस में हत्या के प्रयास की धारा 109 BNS जोड़ दी है। बता दें कि इस धारा में 10 साल तक की सजा का प्रावधान है।

सड़क किनारे पसरे पर अचानक पहुंचे सीएम साय, मीरा के पसरे से खरीदा 'आशीर्वाद का दीया'

मुख्यमंत्री ने पूछा - सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है?

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव में सड़क किनारे पसरा लगाकर मिट्टी के दीये बेच रही मीरा के लिए आज का दिन अचानक बेहद खास बन गया। रोज की तरह वह अपने छोटे से पसरे पर दीये सजाकर ग्राहकों की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का काफिला अचानक उसके पसरे के पास जाकर रुक गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मीरा के पसरे पर रखे मिट्टी के दीयों को देखा और 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए वहीं से एक दीया खरीदा। मुख्यमंत्री ने महिला को एक हजार रुपए प्रदान किए। मुख्यमंत्री का यह सहज भाव स्थानीय स्तर पर छोटे व्यवसाय के माध्यम से आजीविका अर्जित करने वाली मीरा के श्रम, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सम्मान का सुंदर संदेश भी दे गया।

मुख्यमंत्री का सड़क किनारे लगे छोटे से पसरे पर अचानक पहुंचना आसपास मौजूद लोगों के लिए भी सुखद आश्चर्य का अवसर बन गया। बिना किसी औपचारिकता के मुख्यमंत्री ने मीरा से उसके कामकाज और परिवार का हालचाल पूछा। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मीरा से पूछा कि उसे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री के सवाल पर मीरा ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उसका बैंक खाता खुल चुका है। उसने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उसे हर महीने एक हजार रुपए की राशि प्राप्त हो रही है।

महिला के मुंह से योजनाओं का लाभ मिलने की बात सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक सीधे पहुंचे, उसे संबल दे और उसके जीवन को बेहतर बनाने में सहायक बने। शासन की प्राथमिकता यही है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पूरी सहजता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर आर्थिक समावेशन का मजबूत आधार तैयार किया है। बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने के कारण आज विभिन्न योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों तक पहुंच रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह राशि उनके छोटे-बड़े दैनिक खर्चों में सहयोग देने के साथ उनमें आर्थिक आत्मविश्वास भी बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सड़क किनारे पसरा लगाने वाले छोटे विक्रेता हों, कुम्हार हों, शिल्पकार हों अथवा स्थानीय उत्पाद तैयार करने वाली हमारी माताएं और बहनें - इन सभी के परिश्रम में आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की शक्ति निहित है। अपने हुनर और मेहनत से आजीविका अर्जित करने वाले ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को अपनाना केवल किसी वस्तु की खरीद नहीं है। उसके पीछे किसी परिवार का श्रम, किसी कारीगर का हुनर और किसी छोटे व्यवसायी के आत्मसम्मान से जुड़ी आजीविका होती है। जब हम स्थानीय विक्रेताओं और कारीगरों से सामान खरीदते हैं तो हमारे इस छोटे से प्रयास से उनके परिवार और उनकी आजीविका को संबल मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा मीरा से खरीदा गया मिट्टी का यह दीया 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : सेवानिवृत्ति के अंतिम वर्ष में गृह जिले में मिलेगी पोस्टिंग

बिलासपुर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने एक मामले में आदेश दिया है कि रिटायरमेंट के आखिरी वर्ष में कर्मचारी को गृह जिले में नियुक्ति देनी चाहिए. आबकारी विभाग के हेड कांस्टेबल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उनको गृह जिले बिलासपुर में पदस्थ करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने संबंधित अधिकारी को आदेश की प्रति मिलने के 15 दिनों के भीतर आवश्यक पोस्टिंग के आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं. याचिकाकर्ता हेड कांस्टेबल अभी रायगढ़ जिले में पदस्थ हैं. उन्होंने रिटायरमेंट करीब होने के कारण रायगढ़ से बिलासपुर तबादले की मांग की थी. याचिका में वर्ष 2025 की ट्रांसफर पॉलिसी के क्लॉज 3.12 का लाभ देने की मांग करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उनकी नियुक्ति 19 अप्रैल 1993 को आबकारी विभाग में सेल्समैन के रूप में हुई थी. बाद में उन्हें नियमित कर आबकारी आरक्षक बनाया गया. वर्ष 2014 में उनका तबादला कोरबा से बिलासपुर हुआ था. 24 जून 2022 को उन्हें बिलासपुर से रायगढ़ भेजा गया. 2023 में पदोन्नति के बाद वे रायगढ़ में ही पदस्थ हैं.

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि वह जुलाई 2027 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं. साथ ही उनकी पत्नी का स्वास्थ्य भी खराब है और उनका लगातार इलाज चल रहा है. उन्होंने गृह जिले बिलासपुर में पोस्टिंग के लिए कई बार विभाग को अभ्यावेदन दिए, लेकिन उन पर निर्णय नहीं लिया गया. राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि 5 जून 2025 की ट्रांसफर पॉलिसी आबकारी विभाग पर लागू नहीं होती, क्योंकि इस नीति में पुलिस, आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर और शिक्षा विभाग को बाहर रखा गया है. सरकार ने यह भी कहा कि कर्मचारी को उसकी पसंद की पोस्टिंग पाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है. कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को निरस्त करते हुए कहा कि अगले साल जुलाई 2027 में रिटायरमेंट के मद्देनजर उन्हें होम जिले में पोस्टिंग देनी चाहिए.

2000 तक UPI रहेगा फ्री उसके ऊपर लगेगा चार्ज

NPCI ने जारी किया नया MDR फ्रेमवर्क

नई दिल्ली ■ एजेंसी

UPI से पेमेंट करने वालें देश के करोड़ों लोगों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। रोजमर्रा की छोटी खरीदारी पर इसका असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कुछ बड़े मर्चेंट पेमेंट पर चार्ज लगेगा। NPCI ने UPI के लिए संशोधित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) फ्रेमवर्क जारी किया है, जो 15 अक्टूबर 2026 से चुनिंदा P2M यानी मर्चेंट पेमेंट पर लागू होगा। खास बात यह है कि आम यूजर्स के लिए UPI अभी भी बड़े पैमाने पर फ्री रहेगा और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति यानी P2P ट्रांजैक्शन पर किसी भी राशि के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

15 अक्टूबर से लागू होगा नया MDR फ्रेमवर्क

नया UPI मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) फ्रेमवर्क 15 अक्टूबर 2026 से चुनिंदा मर्चेंट (P2M) ट्रांजैक्शन पर लागू होगा। सरकार ने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम एक्ट, 2007 में बदलाव कर इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड के लिए शुल्क से जुड़ा कानूनी आधार तैयार किया है। इसके बाद 14 सितंबर को 2,000 तक के UPI ट्रांजैक्शन पर जीरो MDR की अधिसूचना जारी की गई।

2,000 तक के UPI पेमेंट पर कोई चार्ज नहीं

नए नियमों का सबसे बड़ा फायदा छोटे पेमेंट करने वाले ग्राहकों और कारोबारियों को मिलेगा। ₹2,000 तक के UPI मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर MDR शून्य रहेगा। NPCI के मुताबिक, UPI के 95 प्रतिशत से ज्यादा P2M ट्रांजैक्शन इसी सीमा के अंदर आते हैं। यानी ज्यादातर छोटे UPI पेमेंट पहले की तरह बिना MDR के जारी रहेंगे। 2,000 से ज्यादा के सामान्य मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत MDR लगाया जाएगा। हालांकि बड़े पेमेंट के लिए इसकी अधिकतम सीमा तय की गई है। ₹75,000 या उससे ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर MDR अधिकतम ₹300 प्रति ट्रांजैक्शन तक सीमित रहेगा। यह शुल्क पेमेंट सिस्टम से जुड़े बैंकों और ऐप प्रोवाइडर्स समेत अलग-अलग पार्टनर्स के बीच शेयर किया जाएगा। कुछ जरूरी और कम मार्जिन वाले सेक्टरों को अलग राहत दी गई है। रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस, फ्यूल और कृषि इनपुट जैसी श्रेणियों में ₹2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर फ्लैट ₹5 MDR लगेगा।

अमित शाह की मौजूदगी में किशाऊ डैम पर 6 राज्यों में समझौता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में छह राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। टोंस नदी पर बनने वाली इस परियोजना से सिंचाई, बिजली उत्पादन और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह कदम यमुना नदी के पुनरुद्धार और बेसिन राज्यों की जल सुरक्षा को मजबूत करेगा।

ऊपरी यमुना बेसिन में राज्यों के बीच सहयोग और जल संसाधनों के विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए समझौते के ज्ञापन (MoA) पर हस्ताक्षर किए। इन छह राज्यों और केंद्र के बीच लगभग 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। रेणुका जी और लखवार मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट्स से जुड़े दो समझौते पहले ही हो चुके हैं और इन प्रोजेक्ट्स का निर्माण कार्य चल रहा है। किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट पर हुआ समझौता, निर्माण के लिए छह राज्यों के बीच किया गया तीसरा समझौता है।

लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग के सचिव और शामिल राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद थे।

अधिकारियों ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करना लंबे समय से अटके हुए 'किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट' को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम है।

युवक ने खुद के पैरों में बांधी पत्थर से भरी बोरी, फिर कुएं में लगा दी छलांग

सूरजपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने आत्महत्या कर लिया है। युवक ने आत्महत्या के लिए जो तरीका अपनाया है वो हैरान कर देने वाला है। उसने पहले पत्थरों से भरे बोरे को रस्सी से अपने पैरों में बांध लिया और फिर कुएं में कूद गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान कल्याणपुर गांव निवासी सुमेर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुमेर पहले भी दो बार अपनी जान देनी की कोशिश कर चुका था। एक बार उसने फांसी लगाने का प्रयास किया था, लेकिन पेड़ का डंगाल टूटने कि वजह से वह बच गया था। दूसरी बार उसने कुएं में कूदकर जान देने की कोशिश की, लेकिन तैरने आने की वजह से वह बच गया था।

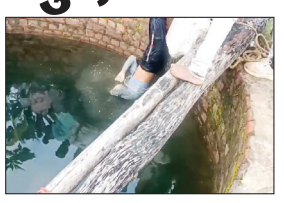

राजस्थान के झालावार में भूकंप के झटके, घरों से निकलकर भागे लोग

झालावाड़ ■ एजेंसी

राजस्थान के झालावाड़ जिले के कई गांवों में मंगलवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। झालावाड़ जिले के पिड़ावा क्षेत्र स्थित नोलाई, बरखेड़ी, खजुरी और आवर गांवों में मंगलवार सुबह आए भूकंप के झटकों से अफरा-तफरी मच गई और घबराए लोग घरों से बाहर निकल आए। कई मकानों में दरारें आ गई हैं, फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। हालांकि, जानकारी के मुताबिक भूकंप के झटकों का सबसे ज्यादा असर नोलाई पंचायत क्षेत्र के गांवों में देखने को मिला है। भूकंप की वजह से स्कूलों में छुट्टी दे दी गई।

ग्रामीणों ने बताया कि अचानक जमीन थरथराने लगी और लोगों में दहशत फैल गई। ग्रामीण घरों से बाहर निकलकर मैदानों में खड़े हो गए।

साथ ही इस खबर के बाद गांव के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। भूकंप के कारण कई घरों के दीवारों में दरार पड़ गई है।

देश-दुनिया के गोल्फ मानचित्र पर नई पहचान बना रहा छत्तीसगढ़ : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ तेजी से देश के उभरते स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार, प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। अब प्रोफेशनल गोल्फ के बड़े टूर्नामेंट का नवा रायपुर में आयोजन इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगा और नवा रायपुर को देश-दुनिया के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतियोगिता की आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण किया तथा देश-विदेश से आए प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने गोल्फ कोर्स पर स्वयं गोल्फ में हाथ आजमाया और शानदार शॉट लगाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री को गोल्फ खेलते देखकर उपस्थित खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अतिथियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवा रायपुर में देश के प्रोफेशनल गोल्फ का इतना प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इतने बड़े स्तर पर देश और दुनिया के श्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आना प्रदेश में खेलों के लिए विकसित हो रहे अनुकूल वातावरण का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का प्रभाव केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं रहता। इससे प्रदेश की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है, खेल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय युवाओं को विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को करीब से देखने एवं उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न खेलों के बड़े आयोजन लगातार हों और प्रदेश की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने गोल्फ से जुड़ी अपनी स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था, जब हम गोल्फ के बारे में केवल सुना करते थे या फिल्मों में लोगों को गोल्फ खेलते देखते थे। आज बदलते छत्तीसगढ़ में हम स्वयं प्रोफेशनल गोल्फ के इतने बड़े आयोजन की मेजबानी कर रहे हैं। यह प्रदेश के विकास के साथ यहां तेजी से विस्तार ले रही खेल संस्कृति का सुखद संकेत है।

अंबानी गणपति सेलिब्रेशन में अन्नू मलिक की बेटी अदा के अनोखे बाल पर टिकी निगाहें, फैशन एक्सपेरिमेंट देखते रह गए लोग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में अंबानी परिवार के घर एंटीलिया में गणेश चतुर्थी का जश्न हर साल की तरह इस बार भी सितारों से सजा नजर आया। बॉलीवुड और मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां इस खास मौके पर पहुंचीं।

इसी बीच मशहूर संगीतकार और गायक अन्नू मलिक भी अपनी पत्नी अंजली और बेटियों अनमोल व अदा मलिक के साथ अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में शामिल हुए। परिवार के साथ पहुंचे अन्नू मलिक ने पारंपरिक अंदाज में बप्पा के दर्शन किए। हालांकि इस दौरान कैमरों की सबसे ज्यादा नजर उनकी छोटी बेटी अदा मलिक पर टिक गई। अदा अपने कपड़ों से ज्यादा अपने बिल्कुल अलग और अतरंगी हेयरस्टाइल को लेकर चर्चा में आ गईं। उनका वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनके लुक पर तरह-तरह के कमेंट करने शुरू कर दिए।

अदा का अनोखा हेयरस्टाइल

अदा मलिक के लुक की सबसे खास बात उनके बाल थे। उन्होंने अपने बालों को ऐसा स्टाइल दिया था, जिसे देखकर पहली नजर में हर किसी का ध्यान उन्हीं पर चला जाता है। उनके बालों का एक हिस्सा सफेद नजर आ रहा था, जबकि दूसरा हिस्सा काले रंग में था। इस तरह के कॉन्ट्रास्ट हेयरस्टाइल ने उनके पूरे लुक को काफी अलग बना दिया। अदा पहले भी अपने बोल्ड और एक्सपेरिमेंटल फैशन के लिए जानी जाती रही हैं, उनके विंग आई लाइनर काफी चर्चा में रहे, लेकिन अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में उनका यह लुक सोशल मीडिया यूजर्स के बीच चर्चा का बड़ा कारण बन गया। कुछ लोगों को उनका अंदाज पसंद आया, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे लेकर उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

पिंक ब्रोकेड शरारा में दिखीं अदा

हेयरस्टाइल के साथ अदा का आउटफिट भी काफी खास था। उन्होंने पिंक रंग का ब्रोकेड शरारा पहना था, जो पारंपरिक और मॉडर्न स्टाइल का मिश्रण नजर आ रहा था। भारतीय परिधान के साथ उनका अनोखा हेयरस्टाइल उनके लुक को बाकी मेहमानों से बिल्कुल अलग बना रहा था। अदा ने अपने इस लुक को पूरे आत्मविश्वास के साथ कैरी किया। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में उनके बालों को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं बंटी हुई नजर आईं। कई यूजर्स ने उनके हेयरस्टाइल को पसंद नहीं किया और कुछ ने उनकी तुलना 'जोकर' तक से कर दी। देखते ही देखते अदा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। फैशन और स्टाइल के मामले में अदा मलिक का अंदाज हमेशा थोड़ा अलग रहा है। वह अक्सर ऐसे लुक्स और हेयरस्टाइल के साथ नजर आती हैं, जो सामान्य बॉलीवुड फैशन से हटकर होते हैं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जल्दी लोगों का ध्यान खींच लेते हैं। इस बार भी अदा ने अपने लुक में कुछ नया करने की कोशिश की, लेकिन इंटरनेट का एक वर्ग उनके एक्सपेरिमेंट से खुश नजर नहीं आया।

राजपाल यादव को चेक बाउंस केस में बड़ी राहत पैसे जमा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिया 2 हफ्ते का समय, कहा- 'ये आखिरी मौका है'

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव पिछले कुछ महीनों से चेक बाउंस केस को लेकर सुर्खियों में हैं। अब तक उन्हें इस मामले में राहत नहीं मिली है। 10 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए राजपाल यादव को 3 महीने की सजा सुनाई थी, जिसके बाद अभिनेता ने सरेंडर की समय सीमा खत्म होने से पहले सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करते हुए अभिनेता को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 5 करोड़ जमा करने पर सरेंडर में छूट देने को कहा था। अब आज, 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव की याचिका पर फिर सुनवाई की, जिसमें अभिनेता को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को पैसे जमा करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है।

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

मंगलवार, 15 सितंबर को राजपाल यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता को पैसे जमा करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया और साथ ही ये भी कहा कि ये उनके लिए आखिरी मौका है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 5 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। कोर्ट ने अभिनेता को कम से कम 2 करोड़ रुपए जमा करने और बकाया राशि जमा करने की श्योरिटी देने को कहा है। साथ ही कोर्ट ने राजपाल यादव को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है।

8 सितंबर की सुनवाई में कोर्ट ने क्या कहा था?

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को अभिनेता की याचिका पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में 5 करोड़ जमा कराने पर ही सरेंडर में छूट देने को कहा था। कोर्ट ने अभिनेता को ये रकम जमा करने के लिए 9 सितंबर तक का समय दिया था। कोर्ट ने कहा कि उन्हें चेक बाउंस मामलों में तभी राहत मिलेगी, जब वह पैसे जमा करेंगे, वरना उन्हें जेल जाना होगा।

क्या है विवाद की जड़?

राजपाल यादव ने पिछले दिनों शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान इस विवाद पर खुलकर बात की थी। बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि इतनी फिल्मों और काम के बाद भी वह 5 करोड़ का मामूली कर्ज कैसे नहीं चुका पा रहे हैं तो जवाब में यादव ने कहा- 'यही तो असली सवाल है, जिस दिन लोगों को ये बात समझ आ जाएगी, वो मेरा पूरा केस भी समझ जाएंगे। ये पैसे का मुद्दा है ही नहीं। ये तो सिद्धांतों का मुद्दा है।' राजपाल यादव के अनुसार, अगर ये पैसों की बात होती तो 2012 में ही मामला सुलझ गया होता।

पति ने किया सेलिना जेटली को बेटों से दूर तरसीं एक्ट्रेस, जुदाई पर छलका दर्द

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। पति पीटर हाग से चल रहा उनका विवाद लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच अभिनेत्री अपने बेटों से भी दूर हैं। बच्चों से दूरी का दर्द सेलिना की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में साफ नजर आया। सोमवार को उन्होंने अपने बेटों विंस्टन, विराज और आर्थर के नए स्कूल वर्ष की शुरुआत पर उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सेलिना ने बच्चों के साथ अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें भी पोस्ट कीं और बताया कि इस खास दिन पर वह उनके साथ मौजूद नहीं हैं। कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस ने अपने मृत बेटे शमशेर को भी याद किया था।

सेलिना ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह यह संदेश इसलिए सार्वजनिक रूप से साझा कर रही हैं, क्योंकि फिलहाल वह सीधे अपने बेटों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने बच्चों के स्कूल के पहले दिन को याद करते हुए कहा कि वह उनके साथ एक सुबह का प्यार भरा गले लगना, एक किस और उनका 'बाय, मम्मी' सुनने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। अभिनेत्री ने अपने बच्चों के स्कूल से जुड़े पुराने पलों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि कभी वह बच्चों की स्कूल की किताबों पर कवर चढ़ाया करती थीं। दुबई में उन्होंने उनके लिए लेडीबर्ड वाली शुल्टुटेन तैयार की थीं। वहीं ऑस्ट्रिया में स्कूल शुरू होने से पहले उन्होंने बच्चों के लिए प्यार से श्नेके और लाड़ी पाव भी बनाए थे। सेलिना के मुताबिक, ये देखने में भले ही रोजमर्रा के छोटे-छोटे पल थे, लेकिन उनके लिए इन्हीं में सबसे बड़ी खुशियां छिपी थीं। अभिनेत्री ने अपने संदेश में यह भी बताया कि वह इस साल अपने बेटों के स्कूल के पहले दिन उनके साथ नहीं रह पाएंगी। उन्होंने आशंका जताई कि परिस्थितियां ऐसी हैं कि शायद 2026 के बाकी हिस्से में भी वह अपने बच्चों के कई स्कूल दिनों का हिस्सा न बन सकें। सेलिना ने लिखा कि यह स्थिति उनके लिए बेहद दर्दनाक है और उनका दिल टूट रहा है।

2026 एमी अवॉर्ड्स में 'द पिट' का दबदबा, 'हैक्स' ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। टीवी की दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों में शामिल 2026 एमी अवॉर्ड्स का आयोजन शुरू हो चुका है। इस साल की अवॉर्ड नाइट को 'लॉ एंड ऑर्डरः एसवीयू' की स्टार मारिस्का हरगिटे होस्ट कर रही हैं। अलग-अलग श्रेणियों में कई लोकप्रिय टीवी शोज और कलाकारों को नामांकन मिला है। इस साल सबसे ज्यादा चर्चा एचबीओ की मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' की है।

'द पिट' को इस साल कुल 25 नामांकन मिले हैं। पिछले साल की तुलना में यह संख्या लगभग दोगुनी है। मेडिकल ड्रामा को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज की श्रेणी में भी नामांकन मिला है। पिछले साल इसी श्रेणी में शो ने पुरस्कार जीता था। सीरीज के मुख्य अभिनेता नोआ वाइल को ड्रामा सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के साथ निर्देशन की श्रेणी में भी नामांकन मिला है। शो के सात अन्य कलाकारों को भी सहायक अभिनय की विभिन्न श्रेणियों में नामांकन हासिल हुआ है।

कॉमेडी सीरीज 'हैक्स' अपने अंतिम सीजन के साथ इस साल 24 नामांकन हासिल कर दूसरे स्थान पर है।

सेहत

सर्दियों में गाजर के जूस पीने के हैं जबरदस्त फायदे

सर्दियों के मौसम में लोग दिल से जुड़ी बीमारियों के बहुत ज्यादा शिकार होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल में रहे। इसे कंट्रोल करने के लिए आप ताजी ताजी गाजर के जूस का सेवन शुरू कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3, ई, के, मैगनीज, बायोटिन, फास्फोरस, फोलेट जैसे तत्व पाए जाते हैं। ये आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। चलिए आपको बताते हैं गाजर का जूस पीने से आपको क्या फायदे होंगे।

गाजर का जूस पीने के लाभ

गाजर में भरपूर मात्रा में विटामिन ए के साथ बीटा-कैरोटिन पाया जाता है जो आपके इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करता है।

दिल को रखे हेल्दीः इस जूस में पोटेशियम पाया जाता है जो बैड कोलेस्ट्राल को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके साथ ही आपके दिल को हेल्दी रखने में मदद करता है।

हड्डियों के बनाए मजबूत

गाजर के जूस में भरपूर मात्रा में 'विटामिन के' के साथ प्रोटीन पाया जाता है। जो शरीर में जाकर कैल्शियम की मात्रा को पूरा करता है। जिससे आपकी हड्डियां मजबूत रहती हैं।

ब्लड शुगर को करे कंट्रोल

गाजर में मौजूद मैगनीज, मैग्नीशियम और कैरीटोनॉयड पाया जाता है। जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करता है। लेकिन डायबिटीज के मरीज इसका सेवन अधिक मात्रा में करने से बचें।

वजन करे कम

गाजर के जूस में विटामिन बी अधिक मात्रा में पाया जाता है जो ग्लूकोज, वसा और प्रोटीन को तोडऩे में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद फास्फोरस मेटाबॉलिज्म बढ़ाने का काम करता है।

गाजर का जूस बनाने की विधि

गाजर का जूस बनाने के लिए गाजर के साथ-साथ आंवला, धनिया, काली मिर्च, टमाटर और सेंधा नमक डालकर ग्राइंड कर लें। इसके बाद इसे छानकर छान लें। इसके बाद इसका सेवन करे। इसके अलावा आप गाजर का जूस भी पी सकते हैं। इसका सेवन आप रोजाना सुबह कर सकते हैं।

पेट और आंतों में सूजन के लक्षण

पेट को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। क्योंकि इससे हमारा पूरा पाचन प्रभावित होता है। पेट में छोटी आंत और बड़ा आंत होती है। छोटी आंत खाना पचाती है और पोषक तत्वों के अवशोषण करती है वहीं बड़ी आंत पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स को शरीर में पहुंचाने और मल इकट्ठा करने का काम करती है। दोनों आंत मिलकर पेट और पूरे शरीर को हेल्दी रखने में मदद करती हैं। लेकिन कई बार आंतों में सूजन आ जाती है। जिससे आंतों का फंक्शन प्रभावित होता है। आइये जानते हैं पेट और आंतों में सूजन के क्या लक्षण हैं।

पेट और आंतों में सूजन के लक्षण

बहुत ज्यादा गैस बनना
अपच की समस्या होना
पेट फूलना और एसिडिटी
पेट दर्द और ऐंठन होना
बार-बार पॉटी जाने की इच्छा
वजन कम होना
उल्टी जैसी महसूस होना

आंतों की सूजन कैसे दूर करें

दही और छाछ- आंतों को हेल्दी बनाने के लिए खाने में प्रोबायोटिक्स से भरपूर दही और छाछ को जरूर शामिल करें। इससे आंतों में गुड बैक्टीरिया बढ़ते हैं और आंत हेल्दी बनती है। दही और छाछ पीने से गैस और एसिडिटी भी कम होती है। ये दोनों चीजें पेट की अग्नि को शांत कर गट हेल्थ में सुधार लाती हैं। पेट में बैक्टीरिया का बैलेंस बनता है और आंतों की क्लीनिंग होती है।

साबुत अनाज- खाने में जितना हो सके साबुत अनाज शामिल करें। फाइबर से भरपूर चीजें खाएं। डाइटरी फाइबर का सेवन करने से पाचन तंत्र में सुधार आता है। इससे पेट साफ आसानी से होता है और कब्ज की समस्या दूर होती है। गट हेल्थ के लिए साबुत अनाज बहुत फायदेमंद होता है। साबुत अनाज में घुलनशील फाइबर और गुड बैक्टीरिया पाए जाते हैं जो हेल्दी आंतों के लिए जरूरी है।

प्याज और लहसुन- खाने में प्याज और लहसुन का इस्तेमाल ज्यादा करें। खासतौर से कच्चा प्याज और लहसुन खाने से आंतों की सेहत में सुधार आता है। रोज सुबह 2 कली लहसुन चबा लें।

सेहत के लिए वरदान से कम नहीं लेमन हनी टी

नींबू और शहद का कॉम्बिनेशन आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में कारगर साबित हो सकता है। क्या आपने कभी नींबू और शहद की चाय यानी लेमन हनी टी पी है? अगर नहीं, तो पोषक तत्वों से भरपूर इस चाय के जबरदस्त स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानने के बाद आप भी इसका सेवन करना शुरू कर देंगे। आइए नींबू और शहद की चाय पीने के कमाल के फायदे और औषधीय गुणों से भरपूर इस चाय को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जानते हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

नींबू और शहद की चाय में विटामिन सी समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा मौजूद होती है जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकती है। क्या आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो आपको अपने डेली डाइट प्लान में नींबू और शहद की चाय को शामिल कर लेना चाहिए। गले की खराश को दूर करने के लिए भी लेमन हनी टी का सेवन किया जा सकता है।

वेट लॉस में मददगार

क्या आप अपनी वेट लॉस जर्नी को बूस्ट करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नींबू और शहद की चाय में मौजूद पोषक तत्व आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं। लेमन हनी टी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। पाचन को बेहतर बनाने के लिए औषधीय गुणों से भरपूर इस चाय को कंज्यूम किया जा सकता है।

कैसे बनाएं चाय

सबसे पहले एक पैन में एक कप पानी डालकर इसे बॉइल कर लीजिए। इसके बाद आपको उबले हुए पानी में अदरक को कद्दूकस करके डालना है। लगभग 2 से 4 मिनट तक इस पानी को बॉइल करने के बाद इसे एक कप में छान लीजिए। जब पानी थोड़ा सा गुनगुना हो जाए, तब आपको इस पानी में एक स्पून नींबू का रस और एक स्पून शहद को मिक्स कर लेना है। अब आप नींबू और शहद की चाय का लुत्फ उठा सकते हैं।

इन चीजों में होता है भरपूर मैग्नीशियम हाई ब्लड प्रेशर रखेगा कंट्रोल

हेल्दी रहने के लिए दिन की शुरुआत मैग्नीशियम के साथ करनी चाहिए। नाश्ते में मैग्नीशियम से भरपूर चीजों को जरूर शामिल कर लें। मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाने, नसों, मांसपेशियों और प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वस्थ रखने में मदद करता है। मैग्नीशियम से भरपूर डाइट लेने से हाई ब्लड प्रेशर औक हाई ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। हार्ट और डायबिटीज के मरीज को मैग्नीशियम से भरपूर डाइट जरूर लेनी चाहिए। शरीर में मैग्नीशियम की कमी होने पर हर वक्त थकान, भूख न लगना, मितली, उल्टी आना, नींद न आना, मांसपेशियों में दर्द की समस्या होने लगती है। इसलिए बॉडी में मैग्नीशियम की कमी नहीं होनी चाहिए।

ज्वार की रोटी-

ज्वार ग्लूटन फ्री और मैग्नीशियम से भरपूर होती है। नाश्ते में ज्वार की रोटी खाने से शरीर में मैग्नीशियम की कमी पूरी की जा सकती है। ज्वार में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है। इसलिए ज्वार से बना भोजन डाइट में जरूर शामिल करें।

क्विनोआ

क्विनोआ को मैग्नीशियम से भरपूर डाइट में शामिल किया जाता है। इसे चावल की तरह ही बनाया और खाया जाता है। क्विनोआ में हाई प्रोटीन और मिनरल होते हैं। करीब 1 कप पके हुए क्विनोआ में 118 मिलीग्राम मैग्नीशियम होता है।

नट्स

डाइट में नट्स शामिल करके मैग्नीशियम की कमी को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए बादाम, काजू और मूंगफली को खाने में शामिल करें। एक औंस बादाम में 80 मिलीग्राम, एक औंस काजू में 74 मिलीग्राम मैग्नीशियम और 2 बड़े चम्मच पीनट बटर में 49 मिलीग्राम मैग्नीशियम होता है।

फलियां

सभी फलियों को डाइट में जरूर शामिल करें। फलियों में मैग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है। खासतौर से काली फलियां खाने से मैग्नीशियम की कमी को पूरा किया जा सकता है। 1 कप ब्लैक बीन्स में 120 मिलीग्राम मैग्नीशियम होता है।

साबुत अनाज

सारे साबुत अनाज मैग्नीशियम का अच्छा सोर्स हैं। इसके अलावा आलमंड बटर, मूंग, बीन्स में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। जो हार्ट और डायबिटीज के मरीज को जरूर खाना चाहिए।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

बुधवार 16 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

राइस मिल एसोसिएशन ने रेडक्रॉस सोसायटी को दिए 5 लाख रुपए

बिलासपुर। जरूरतमंदों की सहायता और मानवीय सेवा के कार्यों में सहयोग के उद्देश्य से राइस मिल एसोसिएशन, बिलासपुर द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी को 5 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल से आज मंथन सभाकक्ष में मुलाकात कर सहयोग राशि का चेक सौंपा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने राइस मिल एसोसिएशन द्वारा जनहित और मानवीय सेवा के कार्यों में दिए गए इस सहयोग के लिए पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से प्राप्त सहयोग का उपयोग जरूरतमंद लोगों की सहायता एवं मानवीय सेवा के कार्यों में किया जाएगा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, राइस मिल एसोसिएशन के महामंत्री शिवशंकर अग्रवाल सहित आदित्य अग्रवाल, सुनील, अनिकेत, राजेश, श्रीतेश, तेजस उपस्थित थे।

आईटीआई कोनी में प्लेसमेंट कैंप

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी द्वारा 16 सितम्बर 2026 को सवेरे 10 बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में सुजुकी मोटर गुजरात द्वारा अपनी आवश्यकता अनुरूप प्रशिक्षित युवाओं का चयन किया जाएगा। कैंप में पेंटर, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, प्लंबर, वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक एवं टूल एंड डाई मेकर व्यवसाय से वर्ष 2026 में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों सहित रोजगार के इच्छुक पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। अभ्यर्थियों को अपने साथ बायोडाटा रिज्यूमे, आईटीआई अंकसूची एवं प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां लाना अनिवार्य है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, जनभागीदारी और जनसेवा को दिया जाएगा व्यापक स्वरूप

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों के महापौरों, आयुक्तों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित वर्चुअल बैठक में अभियान के दौरान संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, विभागीय समन्वय, जनभागीदारी और प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक देशव्यापी सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा और सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल अहमदाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों को 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनसेवा के प्रति आभार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन से जोड़ने के लिए अभियान की गतिविधियों को

प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा। उन्होंने अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के विकास और जनकल्याण के लिए विगत 25 वर्षों से अनवरत कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत हुई है। श्री साव ने कहा कि आज चीन भी भारत के साथ काम करना चाहता है और रूस के साथ भारत की मित्रता और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है और 'सेवा संकल्प अभियान' इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अभियान के दौरान किए जाने वाले कार्यों के प्रभावी दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न गतिविधियों और जनभागीदारी से जुड़े कार्यों का व्यवस्थित रूप से दस्तावेजीकरण किया जाए। हर आयोजन की फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाए तथा उनकी रील तैयार कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की जाए, ताकि अभियान की गतिविधियों और उनके प्रभाव की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।

उन्होंने कहा कि योजनाओं और अभियानों से नागरिकों के जीवन में आए वास्तविक बदलावों को भी प्रमुखता से सामने लाया जाए। इसके लिए लाभार्थियों की वास्तविक कहानियों, गतिविधियों और उपलब्धियों को रिकॉर्ड कर डिजिटल माध्यमों से प्रसारित करने पर ध्यान दिया जाए। बैठक में अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इनमें 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'सेवा की कहानी', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा–मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट्र' और 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' सहित विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं।

16-17 सितंबर को अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन, राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने बताया है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में 16 एवं 17 सितंबर 2026 को 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आयोजन होगा। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा प्रातः 10.30 बजे किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है।

यह सम्मेलन देश के अलग-अलग राज्यों में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है। इसके पूर्व वर्ष 2014 में भी छत्तीसगढ़ में यह प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन किया गया था। देशभर से विभिन्न राज्यों के पधारे राज्य निर्वाचन आयुक्तगण इस सम्मेलन में स्थानीय लोकतंत्र विशेषकर त्रिस्तरीय पंचायतों व नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी, विश्वसनीय एवं सहभागी बनाने हेतु निर्वाचन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में लोकतांत्रिक निर्वाचन विषय से जुड़े प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ भी हिस्सा लेंगे। श्री अजय सिंह द्वारा यह भी बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, हैदराबाद एवं भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, बेंगलूरु के ईलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के विषय विशेषज्ञ भी सम्मेलन में अपने संस्थानों की अद्यतन तकनीकी जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

कमार विकास प्राधिकरण की राशि के बंदरबांट का आरोप : जांच की मांग

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में कमार एवं भुंजिया जनजाति के सामाजिक,आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिये गठित विकास प्राधिकरणों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समाज भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनसिंग सोरी ने कलेक्टर गरियाबंद को आवेदन सौंपकर कमार विकास प्राधिकरण की विकास राशि के कथित बंदरबांट और पूर्व में किये गये व्यय की जांच की मांग की है। उन्होंने कमार एवं भुंजिया जनजाति के लोगों की मूलभूत समस्याओं के समाधान सहित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है।

योजनाओं का लाभ नहीं मिलने का आरोप

आवेदन में कमार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत कमार एवं भुंजिया समुदाय आज भी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुये हैं। कई परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। शासन द्वारा जनजातियों के विकास के लिये उपलब्ध कराई जाने वाली राशि का वास्तविक हितग्राहियों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बनसिंग सोरी ने आरोप लगाया कि कमारों के विकास के लिये स्वीकृत राशि का बंदरबांट कर फिजूल योजनाओं में खर्च किया जाता है। इससे समुदाय के लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा। आवेदन में पूर्व में खर्च की गई विकास राशि की जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है।

1982 में कमार विकास प्राधिकरण का गठन

बता दें कि कमार जनजाति के समुचित विकास के लिये शासन द्वारा वर्ष 1982 से गरियाबंद में पृथक कमार विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसका उद्देश्य कमार समुदाय के विकास की योजनायें बनाकर उनका प्रभावी क्रियान्वयन करना था। हालांकि, कमार समाज के कुछ वरिष्ठ नागरिकों का आरोप है कि प्राधिकरण के गठन के दशकों बाद भी जमीनी स्तर पर अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है।

मलेवांचल मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष देवेश ठाकुर ने भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर से की सौजन्य भेंट

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। मलेवांचल मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष देवेश ठाकुर ने कार्यकर्ताओं के साथ गरियाबंद स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचकर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने संगठन द्वारा सौंपी गई नई जिम्मेदारी के लिए प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है, उस पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष देवेश ठाकुर ने कहा कि मलेवांचल क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य और ग्रामीण परिवेश वाला क्षेत्र है, जहां संगठन की पहुंच को और मजबूत करने के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रभावी अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। इसलिए प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन और सहयोग से मंडल में भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने देवेश ठाकुर को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन में दायित्व कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। इस दौरान भाजपा मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, पारस ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता फिरतु राम कंवर, लालसिंह दीवान, दाल चंद ध्रुव, रितेश यादव, दीपेश दीवान, थानसिंह कंवर, प्रहलाद ठाकुर, मंडल महामंत्री ईश्वर वर्मा, गेंदलाल दीवान, नारायण ठाकुर, झवल अग्रवाल, कृष्णा गुप्ता, दयाराम नागेश, जगदीश यादव, संतराम ठाकुर, लोकराम ध्रुव, विष्णु साहू, मोहन यादव, हीरा प्रजापति, अशोक राजपूत, नरपाल टेकाम, तुलेश्वर कपिल, मोती दीवान, जाकिर हुसैन, उमेश कंवर, कार्तिक नागेश, लखन सिंग, भागी राजपूत, खेदु राम यादव, देवेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य: स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद

– प्रतापराव जाधव

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य-देखभाल का मतलब सिर्फ़ बीमारी का इलाज करना नहीं है; बल्कि इसका मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।

11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, "स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद" और "एक स्वास्थ्य, एक भविष्य" का विज़न इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग-थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।

आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान-पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत ज़ोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर-संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज़्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ़ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवत्ता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाधानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य ज़रूरतों को पूरा करते हों।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना; आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मज़बूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार-प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

स्वास्थ्य देखभाल को असल में मरीज़ की ज़रूरतों पर केंद्रित होना चाहिए। जहां उपचार उपयुक्त और साक्ष्य समर्थित हो, वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियाँ एक-दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज़्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं।

भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजनों ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के नज़रिए को दुनिया भर में कैसा समर्थन मिल सकता है। आयुर्वेद दिवस ने भारत की स्वास्थ्य परंपराओं के लिए एक वैश्विक अवसर का निर्माण किया है और आयुर्वेद तेज़ी से कल्याण, रोकथाम और सतत स्वास्थ्य सेवा पर होने वाली अंतरराष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बन रहा है।

इस बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ एक उतनी ही महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी भी आती है। आयुर्वेद को विश्वसनीय शोध, नैदानिक सबूतों, मजबूत गुणवत्ता मानकों और ज़िम्मेदार संचार का समर्थन मिलना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग, आयुष शैक्षिक विभाग, नैदानिक शोध और विनियामक तालमेल की दिशा में किए जा रहे प्रयास भारत से बाहर आयुर्वेद के लिए एक मज़बूत इकोसिस्टम बनाने में मदद कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ़ इसकी वैश्विक पहुँच का विस्तार करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि इस विकास के साथ भरोसा और वैज्ञानिक विश्वसनीयता भी जुड़ी हो।

"एक स्वास्थ्य, एक भविष्य" का विज़न हमें अस्पतालों और दवाओं से आगे ले जाता है। एक स्वस्थ भविष्य हमारे पर्यावरण, हमारे खान-पान और उन प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, जिन पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां निर्भर करती हैं। उदाहरण के लिए, औषधीय पौधे स्वास्थ्य सेवा को कृषि, आजीविका और जैव विविधता से जोड़ते हैं। उनकी स्थायी खेती से किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही कीमती प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी योगदान मिल सकता है।

प्रौद्योगिकी भी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। आज भारत के पास अपने व्यापक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक शोध क्षमताओं, डिजिटल तकनीक, डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते उपायों के साथ जोड़ने का मौका है। यह संयोजन शोधकर्ताओं को पारंपरिक तरीकों का ज़्यादा सटीकता से अध्ययन करने और नवाचार के नए अवसरों को सामने लाने में मदद कर सकता है।

फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण बदलाव लोगों के जीवन में आना चाहिए।

आयुर्वेद दिवस को केवल साल में एक बार मनाया जाने वाला आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए। इसे हमारे घरों, स्कूलों, कार्यस्थलों और समुदायों में स्वस्थ जीवन शैली आधारित एक व्यापक अभियान को बढ़ावा देना चाहिए।

हम क्या खाते हैं, हम कितने सक्रिय रहते हैं, हम तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं और हम अपने पर्यावरण के साथ कितनी ज़िम्मेदारी से व्यवहार करते हैं, ये सभी हमारे समाज के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

इस यात्रा में युवा पीढ़ी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद को सिर्फ़ भारत की विरासत के तौर पर ही नहीं, बल्कि शोध, नवाचार, उद्यमिता और स्वास्थ्य सेवा के ऐसे क्षेत्र के तौर पर पेश किया जाना चाहिए, जो भविष्य की चुनौतियों को हल करने में योगदान दे सकता हो।

आज भारत ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अनोखे संगम पर खड़ा है। हमारे पास इन ताकतों को एक साथ लाने का अवसर है, ताकि स्वास्थ्य सेवा का ऐसा तरीका विकसित किया जा सके, जो इलाज के साथ-साथ बीमारी से बचाव, बीमारी के प्रबंधन के साथ-साथ आरोग्यता और विकास के साथ-साथ स्थायित्व को भी महत्व देता हो।

आयुर्वेद का भविष्य अंततः इस बात से निर्धारित होगा कि हम इस पर कितना अच्छा शोध करते हैं, सबूतों के आधार पर इसे कितना मजबूत बनाते हैं, इसकी गुणवत्ता को कैसे सुनिश्चित करते हैं और इसके फायदों को लोगों तक कैसे पहुँचाते हैं।

इसलिए, "स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद" सिर्फ़ एक थीम नहीं है। यह सेहत की संस्कृति बनाने का एक आह्वान है — ऐसी संस्कृति, जो लोगों को सशक्त बनाती हो, समुदायों को मजबूत करती हो और उस पर्यावरण का सम्मान करती हो, जिसे हम सभी साझा करते हैं।

जब हम 11वाँ आयुर्वेद दिवस मना रहे हैं, तो आइए एक स्वास्थ्य, एक भविष्य के विज़न को आगे बढ़ाएँ और एक स्वस्थ भारत और स्वस्थ दुनिया की दिशा में मिलकर काम करें।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य। सभी के लिए सेहतमंद भविष्य।

(पीआईबी)

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं)

:- संपादकीय :-

बांग्लादेश की सामरिक दिशा के ठोस संकेत

पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुडने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला बांग्लादेश की नई सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।बांग्लादेश ने पुष्टि कर दी है कि वह चीन में बने 4.5वीं पीढ़ी के जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने जा रहा है। इसके अलावा वह चीनी लड़ाकू हेलीकॉप्टर, वीआईपी ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर, और ड्रोन्स की खरीदारी भी करेगा। इसका अर्थ है कि अब बांग्लादेश चीन अस्त्र प्रणाली का हिस्सा बनने जा रहा है। इस फैसले का औचित्य बताते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार जियाउर रहमान ने जो कहा, उस पर भारत को अवश्य ध्यान देना चाहिए। रहमान ने कहा कि पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान की लड़ाई के दौरान खबर मिली कि पाकिस्तान ने जे-10सीई के जरिए भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया। उसे ध्यान में रखते हुए ही बांग्लादेश ने उन विमानों को खरीदने का फैसला किया है।कुछ ही रोज पहले बांग्लादेश ने मक्का सुरक्षा समझौते में शामिल होने की इच्छा जताई। हालांकि इस समझौते में शामिल देशों से बांग्लादेश को कोई न्योता नहीं मिला है, मगर संसद में विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि अगर आमंत्रण मिलता है, तो उस पर बांग्लादेश सकारात्मक नजरिए से विचार करेगा। मक्का समझौता पाकिस्तान, सऊदी अरब, और तुर्किये के बीच हुआ है। ईरान युद्ध से पश्चिम एशिया में बदली सामरिक स्थितियों के बीच उस क्षेत्र में नई उभरती सुरक्षा व्यवस्था में पाकिस्तान की भूमिका ठोस ढंग से बढ़ रही है।बीते हफ्ते कुवैत ने भी अपनी सेना को प्रशिक्षित करने, खुफिया जानकारी साझा करने, तथा रक्षा तकनीक और सीमा प्रबंधन में सहयोग के लिए पाकिस्तान से नया सैन्य समझौता किया। पाकिस्तान से अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं को जोडने के खाड़ी देशों की ताजा सोच के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। एक तो पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, और दूसरा उसकी तीन चौथाई हथियार प्रणालियां का चीनी सिस्टम से जुड़ी हुई हैं। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश के पाकिस्तान से आम संबंध गहरे हुए हैं। इसी बीच पाकिस्तान की मुख्य भूमिका वाले समझौतों से जुडने की इच्छा और चीनी हथियार प्रणालियों को खरीदने का फैसला उसकी सामरिक दिशा के ठोस संकेत हैं। भारत को इससे उचित संदेश ग्रहण करना चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान,प्रदेशभर में होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, (जनसंपर्क) रायपुर

'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक महीने का देशव्यापी अभियान है। इसका मकसद श्री मोदी के सेवा और विकास से जुड़े कामों को लोगों तक पहुंचाने के साथ जनसेवा के कार्यक्रमों को बढ़ाना है। इन कार्यक्रमों में रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, स्कूलों में प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं। इस अभियान का उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प लेना, केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाना तथा प्रत्येक परिवार की सहभागिता के साथ व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में) निरंतर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यकाल के सम्मान में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाला एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। सेवा गतिविधियां में नागरिकों को रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसी 25 सेवा गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। श्रमदान के रूप में नागरिकों से कम से कम 25 मिनट श्रमदान करने की अपील की गई है, जिसकी फोटो या वीडियो माई भारत पोर्टल पर अपलोड करने पर डिजिटल प्रमाण-पत्र मिलेगा। विशेष कार्यक्रम के रूप में 17 सितम्बर 2026 को आशीर्वाद का दीया, नमो सेवा गाथा के तहत संभागीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर (सरगुजा), और जगदलपुर (बस्तर), के आडिटोरियम में संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन से समन्वय कर प्रस्तावित तिथि अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नमो सेवा गाथा अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, नृत्य नाटिका जिले केस्थानीय कलाकार के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। सेवा सेतु अभियान (विकासखंडों में बहुउद्देशीय शिविर) और सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज जैसी अभिनव गतिविधियां आयोजित होंगी। इन गतिविधियों का संचालन शासकीय विभागों के साथ-साथ नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सभी आयु वर्ग की महिलायें, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों, स्वैच्छिक संगठन, शैक्षणिक संस्थाएँ, स्वयं-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाएगा।

कब से कब तक चलेगा अभियान

यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। 17 सितंबर को पीएम मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होंगे। 17 अक्टूबर 2026 को अभियान का समापन बड़े कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

प्रदेशभर में होंगे सेवा कार्यक्रम

अभियान के तहत 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच स्कूल और कॉलेजों में ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किये गए सेवा कार्यों और विकसित भारत की संकल्पना पर जानकारी दी जाएगी और ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अलावा रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्रदर्शनियां, सेमिनार और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां होंगी। ब्लॉक स्तर पर 'सेवा सेतु' शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में मदद दी जाएगी।

आंगन का उत्सव' में पोषण और महिला-बाल कल्याण पर जोर

25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगन का उत्सव' आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पोषण, मातृ सहायता, टीकाकरण तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों को दी जाएगी। कार्यक्रमों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनका सम्मान भी किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और परिवारों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कहानी बदलाव की'में सामने आएंगी सफलता की वास्तविक कहानियां

अभियान के दौरान 'कहानी बदलाव की' पहल के तहत शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की वास्तविक सफलता की कहानियों का संकलन किया जाएगा। इन कहानियों के माध्यम से यह बताया जाएगा कि सरकारी योजनाओं का प्रभाव किस तरह आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। हितग्राहियों की सफलता की कहानियां अन्य पात्र नागरिकों को भी योजनाओं का लाभ लेने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

'विकसित भारत' पर रहेगा जोर

स्कूलों में विकसित भारत 2047 विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। 'नमो सेवा' के तहत नुक्कड़ नाटक और आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'आंगन मिलन सेवा' जैसे कार्यक्रम भी रखे गए हैं। पिछले 25 वर्षों के सेवा कार्यों में, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं और देश में आए बदलावों की कहानी को एक सरल, भावनात्मक और संगीतपूर्ण नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से गाँव - गाँव तक पहुंचाया जाएगा। यह कार्य प्रदेशभर के स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत, सामुदायिक केंद्र एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किया जाएगा।

50 बदलाव वाले स्थानों का दौरा

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत करीब 50 ऐसे स्थान चुने जाएंगे, जिन्हें बीजेपी मोदी सरकार के दौर में हुए बदलाव का उदाहरण मानती है। इनमें गुजरात की GIFT City और बस्तर जैसे स्थान शामिल हैं। सोशल मीडिया क्रिएटर्स को भी इन जगहों पर ले जाने की योजना है।

17 अक्टूबर को बड़ा समापन

अभियान के अंतिम दिन 'जनसेवक महाकुंभ' में पंचायत से संसद तक के करीब 1.25 लाख जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की योजना है। इस दौरान सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' की सभी छह कड़ियां गाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में नयापन लाने का प्रयास करेंगे, जिसमें आपको बहुत लाभ होगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, जिससे आपकी आय में इजाफा होगा। इस राशि के छात्र आज प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए बड़े शहर जा सकते हैं।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे, जो आपके तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगे। आज ऑफिस में आपको प्रमोशन मिलने की खुशी में घर पर पार्टी होगी। आज आप अधिक सोचने से बचें और अपने काम पर ध्यान दें।

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में सफल रहेंगे, सभी आपकी तारीफ करेंगे और दांपत्य जीवन में सुख-सौहार्द की बढ़ोतरी होगी। आज आपके काम की तारीफ होगी और आपको किसी बड़ी कंपनी से ऑफर मिल सकता है।

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए लाभदायक बना रहेगा। आज आप बिज?स के मामले में किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं, जिससे आपको फायदा मिलेगा। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत जल्द रंग लाएगी। इस राशि के इलेक्ट्रीशियन के कारोबारियों को व्यापार में अधिक लाभ मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी कोर्स को करने के लिए किसी शिक्षक की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका कन्फ्यूज दूर होगा। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा और आपको कुछ नया करने की उत्सुकता बढ़ेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप जरूरी कार्यों को पहले निपटाने की कोशिश करें, सतर्कता से हर कार्य करना आज जरूरी है। आपको दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज कार्यक्षेत्र में कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है और उनसे महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। दांपत्य जीवन का रिश्ता पहले से मजबूत बनेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत व्यक्तियों की आय में इजाफा होगा और किसी बड़े पद की प्राप्ति होगी। आज पारिवारिक सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी, परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनाएंगे, लेकिन अपनी जरूरत का सामान रखना न भूलें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे और आपके मनोबल में वृद्धि होगी। हालांकि सतर्कता आज कार्य क्षेत्र में आपको बरतनी होगी। आपकी मेहनत सफलता दिलाएगी तथा व्यापार की शिथिलता से आपको राहत मिलेगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप अपनी योजनाओं को सफल बनाने का प्रयास करेंगे, जिसमें सहकर्मी आपका पूरा साथ देंगे। आज आप जीवनसाथी के साथ बच्चों के भविष्य को लेकर कुछ बात कर सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। आज आप अपने ऑफिस को दूसरी जगह शिफ्ट करने का मन बना सकते हैं, लेकिन उससे पहले आप जगह का परीक्षण कर लें। आज बेटी का किसी मनचाहे फील्ड में सिलेक्शन होने के योग बन रहे हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको रोजगार में बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, जिनके माध्यम से आप तरक्की करेंगे। राजनीति में आज आपके कार्यभार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन आप इसे बखूबी निभाएंगे।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज ऑफिस में कर्मचारी मन लगाकर काम करेंगे, लेकिन बॉस होने के नाते आपको सबके प्रति स्नेहपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। आज आप समझदारी से बातों को समझेंगे और उसी अनुरूप अपने काम को आगे बढ़ाएंगे।

सू- दोकू क्र.160

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.159 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

नजरिया | विनीत नारायण

आधुनिक समाज में सुख की परिभाषा बदल गई

बुजुर्ग दुखी इसलिए हुए कि उनके जीवन का उद्देश्य ही गायब हो गया था। पहले पिता हर सुबह एक उद्देश्य के साथ उठते थे, पत्नी के लिए चाय बनाते, साथ में अखबार पढ़ते, थैला लेकर बाजार जाते, सब्जियों पर चर्चा करते, मोल-भाव करते। माँ खाने की योजना बनातीं, मसाले जाँचतीं, सबके कपड़े सँभालतीं। ये सिर्फ साधारण घरेलू काम नहीं थे। ये वे अदृश्य भावनात्मक धागे थे जो दो बुजुर्गों को मानसिक रूप से जीवित रखते थे और एक-दूसरे से जोड़ते थे।

आधुनिक समाज में सुख की परिभाषा बदल गई है। हम सोचते हैं कि आराम, नौकर-चाकर, ऑनलाइन डिलीवरी और सुविधाओं का ढेर ही जीवन को खुशहाल बना देता है। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया में एक सच्ची घटना शेयर की गई। जिसने इस धारणा को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया। यह कहानी सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि आज के पूरे समाज का आईना है, जहाँ हम बुजुर्गों को आराम देकर उनसे उनके जीवन का उद्देश्य छीन लेते हैं, और फिर हैरान होते हैं कि घर में शांति क्यों नहीं बची?सोशल मीडिया की पोस्ट के अनुसार कहानी पुणे की है। एक बेटा और बहू लंबे समय तक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करते रहे। जिनकी मीटिंग्स, डेडलाइन और भागदौड़ भरी व्यस्त जिंदगी थी। घर का लगभग सारा काम उन्होंने आउटसोर्स कर रखा था। कुछ समय बाद में वे दिल्ली लौटे, अपना व्यवसाय शुरू किया और कई वर्षों के अंतराल के बाद पति के 80 वर्षीय माता-पिता उनके साथ रहने लगे।घर आकर उन्होंने देखा कि बुजुर्ग दंपति का पूरा जीवन छोटी-छोटी जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमता था। सुबह चाय बनाना, अखबार पढ?ा, बाजार जाना, सब्जियों पर मोल-भाव करना, मसालों की चर्चा, रोटियाँ बनाना, कपड़े व्यवस्थित करना आदि, ये सब उनकी दिनचर्या का हिस्सा थे। यह देख बेटा-बहू भावुक हो गए। उन्होंने सोचा, माता-पिता ने जीवनभर हमारे लिए संघर्ष किया। हमें हर सुख सुविधा दी है। अब हमारी बारी है उन्हें आराम देने की।

उन्होंने पूरी व्यवस्था बदल दी। एक फुल-टाइम रसोईया रख लिया। ई-कॉमर्स कंपनियों से किराना और अन्य जरूरी सामान आने लगा। माँ-बाप के लिए अलग-अलग अटेंडेंट और कार व ड्राइवर का इंतजाम किया। अटेंडेंट उनके पैर दबाता, जिस्म पर तेल लगाता, चाय-पानी देता, सैर के लिए ले जाता। बच्चों को लगा कि अब माता-पिता सचमुच सुख का जीवन जिएँगे।लेकिन कुछ ही महीनों में सब बिखर गया। माँ ने चलना-फिरना और काम करना बंद कर दिया। दिन भर सोती रहतीं, सहायकों की हर बात की शिकायतें करतीं, उन पर पूरी तरह निर्भर हो गईं। फिर अवसाद आया और डिमेंशिया के लक्षण शुरू हो गए। पिता चिड़चिड़े और गुस्सैल हो गए। डिलीवरी वालों से झगड़ते, नौकरों को गालियाँ देते, रसोइए को डाँटते, अटेंडेंट पर चीखते चिल्लाते और दिनभर बेमकसद घूमते और गुस्से में घर लौटते। धीरे-धीरे घर का माहौल जहरीला हो गया। बेटा-बहू हैरान हुए कि उनकी इतनी कोशिशों के बावजूद माँ-बाप का जीवन ऐसा खराब क्यों हो गया?

यहीं छिपा था जीवन का गहरा सबक। बुजुर्ग दुखी इसलिए नहीं थे कि उनके जीवन में आराम नहीं था। वे दुखी इसलिए हुए कि उनके जीवन का उद्देश्य ही गायब हो गया था। पहले पिता हर सुबह एक उद्देश्य के साथ उठते थे, पत्नी के लिए चाय बनाते, साथ में अखबार पढ़ते, थैला लेकर बाजार जाते, सब्जियों पर चर्चा करते, मोल-भाव करते। माँ खाने की योजना बनातीं, मसाले जाँचतीं, सबके कपड़े सँभालतीं। ये सिर्फ साधारण घरेलू काम नहीं थे। ये वे अदृश्य भावनात्मक धागे थे जो दो बुजुर्गों को मानसिक रूप से जीवित रखते थे और एक-दूसरे से जोड़ते थे। रसोई सिर्फ रसोई नहीं थी, वह संगति थी। बाजार सिर्फ खरीदारी की जगह नहीं था, वह उपयोगिता का भाव देता था। धनिया-मिर्च पर छोटी-छोटी बहसें सिर्फ बहसें नहीं थीं, वे संवाद थे।

विचार

वि.वि. परिसरों में हॉस्टल बनने से टलेंगे हादसे

सत्य निकेतन में हुए हादसे की असली वजह दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रावासों की भारी कमी रही है। हॉस्टल नहीं मिलते तो हजारों छात्र असुरक्षित और बेहद महंगे पीजी में रहते हैं। अक्सर मकान मालिक मनमाना किराया वसूलते हैं। यूजीसी व यूनिवर्सिटी प्रशासन ने भी ध्यान नहीं दिया।दिल्ली में सत्य निकेतन हादसा बेहद अफसोस की बात है जिसके होने के लक्षण पहले ही नजर आ रहे थे। यानी पूरी-पूरी आशंकाएं थीं। गंभीर इंसानी लापरवाही की वजह से हुई इस त्रासदी में कई छात्रों की जानें चली गईं। इसका मूल कारण है दिल्ली यूनिवर्सिटी में हॉस्टल की अपर्याप्त सुविधाएं।लेखक मास्को विश्वविद्यालय में पीएचडी करने के दौरान वहां के छात्रावास में वे चार वर्ष रहे। हॉस्टल के हर कोने में रसोई आदि सुविधाएं थीं जहां कभी-कभार अपनी मर्जी का खाना बना सकते थे। इसके अलावा वहां बड़े-बड़े भोजनालयों की भरमार थी। वहां छात्रों को रोजमर्रा की जरूरतों की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। वे दिल लगाकर पढ़ाई कर सकते थे। सप्ताहांत के समय छात्रावास में विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का छात्र स्वयं आयोजन करते थे। सभी को अपनी कलात्मक व सृजनात्मक प्रतिभा चमकाने का अवसर मिलता था। कलात्मक ढंग से नाचना या गाना सीख सकते थे। इन सब हुनरों का विकास करने का अवसर छात्रावासों में ही मिलता था। मास्को विश्वविद्यालय में छात्रावास सुविधा निःशुल्क थी। निवास के अलावा जिम, चिकित्सालय व रोजमर्रा की सभी जरूरी सुविधायें छात्रावास कैम्पस में थीं। यानी हॉस्टल घर से दूर घर जैसा माहौल प्रदान करते थे।

भीड़ में भी अकेले होने की वैश्विक त्रासदी

अकेलापन केवल इस बात का परिणाम नहीं है कि व्यक्ति के आसपास लोग नहीं हैं, बल्कि तब भी महसूस हो सकता है, जब उसे अपने संबंधों में वह जुड़ाव और आत्मीयता महसूस न हो, जिसकी उसे आवश्यकता है। लंबे समय तक बना रहने वाला यह अकेलापन व्यक्ति की भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। उसकी नींद और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है।हाल ही में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर अपने कार्यालय का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि रात में काम करते हुए उन्हें वहां एक कॉकरोच दिखाई दिया। उन्होंने स्वयं उसे नहीं मारा और कुछ समय तक वह वहीं रहा। बाद में जब उनके स्टाफ ने उसे हटा दिया, तो उन्होंने लिखा–राहत तो मिली, लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई।लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई–ये वे पंक्तियां हैं, जो मन में हजारों प्रश्नों को जन्म देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि क्या हम सब कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं? आखिर ऐसा क्यों है कि लोगों से भरी इस दुनिया में भी किसी एक की कुछ पलों की मौजूदगी हमारे अकेलेपन को भर देती है और उसकी अनुपस्थिति फिर उसी अकेलेपन का एहसास करा जाती है? क्या मनुष्य के लिए साथ की जरूरत केवल तब होती है, जब वह सचमुच अकेला हो, या भीड़ के बीच भी किसी अपने की उपस्थिति उतनी ही जरूरी होती है?दरअसल, हम सभी एक बहुत बड़े असत्य को सत्य मान बैठे हैं और वह यह कि जो व्यक्ति प्रभुत्वशाली है, धनी है या फिर जो प्रसिद्ध है, वही इस संसार में सबसे सुखी है। सुख की हमारी यह परिभाषा हमें निरंतर एक ऐसी दौड़ में ले जाती है, जहां हम उपलब्धियों की ऊंचाइयों को ही जीवन की सार्थकता मान बैठे हैं। लेकिन क्या सचमुच जीवन में किसी मुकाम को हासिल कर लेना व्यक्ति को भीतर से वह खुशी, आत्मसंतोष और तृप्ति दे देता है, जिसकी तलाश में वह इस पूरी दौड़ में शामिल होता है?फिल्म निमार्ता करण जौहर ने अपनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद के एक अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि उस उपलब्धि की खुशी के बीच एक क्षण ऐसा आया, जब उनके मन में सवाल उठा–मैं आज रात क्या करूं? किसके घर जाऊं? किसका हाथ थामूं? मुझे खुशी महसूस करने के लिए पीठ पर एक छोटी-सी थपकी की जरूरत थी और मैं उसे चाहता था। उपलब्धि का यह क्षण अपने आप में बताता है कि खुशी का पूरा अर्थ उसे किसी के साथ साझा करने में ही है। अकेलापन केवल इस बात से तय नहीं होता कि हमारे आसपास कितने लोग हैं।

असल सवाल यह है कि उन लोगों के बीच हम स्वयं को कितना जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। हमारे जीवन में ऐसे संबंधों

शब्द सामर्थ्य -160

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे
1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

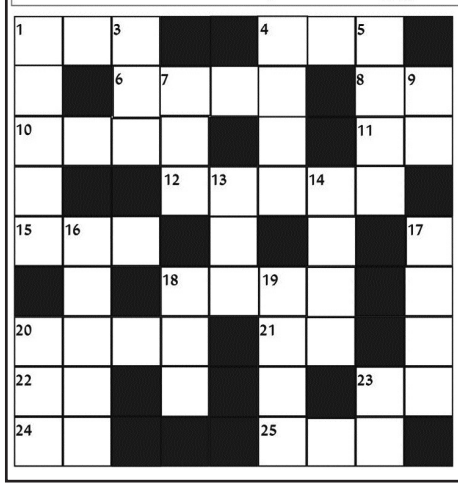

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 159 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

गरियाबंद में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास, मायके पहुंचीं बेटियां

करू भात से व्रत की शुरुआत, महिलाओं ने रखा निर्जला उपवास; शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा सुखी दांपत्य और परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक भावनाओं से गहराई से जुड़ा तीजा तिहार गरियाबंद जिले में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। तीजा पर्व को लेकर गांवों से लेकर शहर तक घर-आंगन में उत्सव का माहौल रहा। ससुराल में रहने वाली विवाहित बेटियां तीजा मनाने अपने मायके पहुंचीं तो लंबे समय बाद बेटियों के घर लौटने से मायके में भी खुशी की रौनक दिखाई दी। कहीं भाई अपनी बहन को लेने ससुराल पहुंचे तो कहीं पिता ने बेटी को मायके लाकर तीजा की खुशियों में शामिल किया।

तीजा तिहार छत्तीसगढ़ में केवल धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि बेटी और मायके के बीच के अटूट स्नेह, भाई-बहन के प्रेम और पारिवारिक आत्मीयता का पर्व माना जाता है। यही वजह है कि तीजा के दिनों में मायके पहुंचे बेटियों के साथ घर-परिवार की पुरानी यादें भी ताजा हो जाती हैं। गांवों में तो तीजा की अलग ही रौनक देखने को मिली। महिलाएं एक-दूसरे के घर पहुंचकर पर्व की शुभकामनाएं देती नजर आईं और तीजा के पारंपरिक गीतों के बीच पर्व का उल्लास साझा किया।

तीजा पर्व की शुरुआत एक दिन पहले करू भात की परंपरा से होती है। महिलाओं ने करेले की सब्जी के साथ करू भात ग्रहण कर अगले दिन रखे जाने वाले कठिन व्रत की तैयारी की। करू भात के बाद महिलाएं तीजा के दिन निर्जला व्रत रखती हैं। पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करती हैं।

सुबह से ही महिलाओं ने स्नान कर नए वस्त्र धारण किए और पारंपरिक श्रृंगार किया। कई घरों में पूजा के लिए विशेष तैयारियां की गईं। शिव-पार्वती की पूजा कर महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

तीजा पर्व की सबसे खास बात यह है कि विवाहित बेटियों को मायके बुलाने की परंपरा आज भी छत्तीसगढ़ के गांवों में पूरी आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। सालभर अपने ससुराल में रहने वाली बेटियों के लिए तीजा मायके लौटने का विशेष अवसर होता है। बेटी के आने से मां के चेहरे पर खुशी और भाई-बहनों में उत्साह दिखाई देता है।

कई परिवारों में बेटी के आने से पहले ही घर की साफ-सफाई, पकवान और अन्य तैयारियां शुरू हो जाती हैं। बेटी के पसंद के व्यंजन बनाए जाते हैं और उसके आने के बाद परिवार के सदस्य मिलकर पर्व की खुशियां मनाते हैं।

महिलाओं ने कहा—तीजा सिर्फ व्रत नहीं, मायके से जुड़ने का अवसर

तीजा पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह रहा। गरियाबंद की एक महिला ने कहा कि तीजा हमारे लिए केवल व्रत और पूजा का पर्व नहीं है। इस दिन मायके आने की खुशी सबसे अलग होती है। सालभर ससुराल में रहने के बाद जब तीजा पर माता-पिता और भाई-बहनों से मिलने का मौका मिलता है तो बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं। व्रत के साथ परिवार के साथ समय बिताना ही इस पर्व को खास बनाता है।

महिलाओं ने साझा की तीजा की खुशी

गारियाबंद में महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी बोली में कहा कि "तीजा के दिन मायके आने के खुशी अलग ही रहिथे। सालभर ससुराल म रहिथन, लेकिन तीजा म जब घर वाले लाने बर आथें, त मन म बहुत खुशी होथे। मया-ममता, परिवार के संग बैठना अउ बचपन के दिन याद आ जाना, ये सब तीजा के खुशी ल अउ बढ़ा देथे। हमन ल तीजा के हर साल बेसब्री से इंतजार रहिथे। करू भात खाके दूसरे दिन निर्जला व्रत रखथन अउ शिव-पार्वती जी के पूजा करके परिवार के सुख-समृद्धि के कामना करथन। तीजा हमर बर सिरिफ व्रत नइ, बल्कि मायके अउ परिवार से जुड़ने के एक खास मौका आय।" आजकल समय बहुत बदल गे हे, लेकिन तीजा के परंपरा अभी घलो वैसे ही बने हे।

विश्वकर्मा जयंती पर कवर्धा में भव्य भोजन भंडारा एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर कवर्धा ठेकेदार संघ द्वारा भव्य भोजन भंडारा एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा कवर्धा विधायक विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। आयोजन को लेकर ठेकेदार संघ द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान, कबीरधाम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के लिए भोजन भंडारे की व्यवस्था की जाएगी। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित यह भंडारा सामाजिक समरसता, सेवा और आपसी भाईचारे का संदेश देगा। आयोजकों को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में नागरिक इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में शामिल होंगे। भोजन भंडारे के साथ कार्यक्रम में रंग सरोवर के भूपेंद्र साहू द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया जाएगा तथा आयोजन को उत्साहपूर्ण एवं आकर्षक बनाया जाएगा। धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम इस समारोह का प्रमुख आकर्षण रहेगा। कवर्धा ठेकेदार संघ के अध्यक्ष रामविलास चंद्रवंशी ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों, ठेकेदार संघ के सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण, शिल्प, तकनीक और सृजन के प्रतीक हैं। उनकी जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम श्रम, कौशल और सेवा के प्रति सम्मान प्रकट करने का अवसर भी है।

16 सितंबर से मेडिकल कॉलेज में होगा नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

कलेक्टर तुलिका प्रजापति लीया तैयारियों का जायजा

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के शासकीय नवीन मेडिकल कॉलेज के नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ 16 सितंबर को किया जाएगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन एवं मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एफआर वर्मा, सिविल सर्जन केशव धुर्वे सहित अधिकारी उपस्थित थे। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने आज कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने मेडिकल कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, मंच, प्रवेश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा।

चौकी दामापुर/ साइबर थाना पुलिस की कार्यवाही

चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेन्द्र कुमार यादव (भा.पु.से.) के निर्देशन में चौकी दामापुर पुलिस द्वारा चोरी के प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी चन्दुलाल साहू, पिता जयराम साहू, उम्र 58 वर्ष, निवासी क्षेत्र चौकी दामापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 अगस्त से 30 अगस्त की सुबह लगभग 10 बजे के मध्य अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके घर में रखे संदूक का कुंदा तोड़कर उसमें रखे सोने एवं चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए हैं। चोरी गए सामानों की कुल अनुमानित कीमत 1,45,000/- रुपये बताई गई थी।

रिपोर्ट पर थाना कुण्डा अंतर्गत चौकी दामापुर में अपराध क्रमांक 123/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस

के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन लिए गए तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर विशेष टीम गठित कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

विवेचना के दौरान टीम को मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही राजेश धुर्वे, पिता दुखुराम धुर्वे, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम कुआमालगी, चौकी दामापुर, थाना कुण्डा, जिला कबीरधाम से पूछताछ की गई। आरोपी ने अपने मेमोरण्डम कथन में प्रार्थी के घर में चोरी करना स्वीकार करते हुए चोरी किए गए सामान को अपने घर में छिपाकर रखना बताया।

आरोपी के बताए अनुसार उसके कब्जे से चोरी गए सोने की पत्ती 04 नग, चांदी का लच्छा 02 नग, पायल 02 नग एवं करधन 01 नग बरामद कर जप्त किया गया। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे 13 सितम्बर को गिरफ्तार किया गया।

प्रकरण की विवेचना जारी है तथा आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सराहनीय भूमिका- उक्त चोरी के प्रकरण का खुलासा करने एवं आरोपी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी दामापुर उप निरीक्षक रोशन टोंडे, आरक्षक हेमंत चंद्रवंशी, एवं साइबर थाना टीम से आर. गज्जू राजपूत, अमित ठाकुर, पूरन दाहिरे का सराहनीय योगदान रहा।

कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि घर को लंबे समय तक सूना छोड़ते समय आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाएं तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

मवेशियों को क्रूरतापूर्वक परिवहन कर ले जा रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। मवेशियों के अवैध परिवहन एवं पशुओं के प्रति क्रूरता के खिलाफ कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में चौकी रणवीरपुर, थाना सहसपुर लोहारा पुलिस ने मवेशियों को बिना चारा-पानी के मारते-पीटते हुए क्रूरतापूर्वक परिवहन कर ले जा रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 मवेशी तथा परिवहन में प्रयुक्त माजदा वाहन सहित कुल 2.50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर 2026 को चौकी रणवीरपुर पुलिस टीम द्वारा रणवीरपुर मेन रोड के सामने वाहनों की जांच एवं कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान मवेशियों को बिना चारा-पानी के मारते-पीटते हुए क्रूरतापूर्वक परिवहन कर ले जाते पाए जाने पर माजदा वाहन क्रमांक CG-07-CA-6546 को रोककर जांच की गई। वाहन में 11 मवेशी पाए गए, जिन्हें पुलिस ने सुरक्षित कब्जे में लिया।

जब्त 11 मवेशियों की अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये तथा माजदा वाहन की अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये बताई गई है। इस प्रकार पुलिस ने कुल 2.50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की।

तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मामले में प्रकाश चंद भट्ट (55 वर्ष), पिता चन्द्रभूषण भट्ट, निवासी तेन्दुभाठा, थाना साजा, जिला बेमेतरा; हिरेन्द्र कुमार लोधी (26 वर्ष), पिता बलदाऊ लोधी, निवासी तेन्दुभाठा, थाना साजा, जिला बेमेतरा; तथा कृष्णा कुमार साहू (45 वर्ष), पिता अकलहा साहू, निवासी घोटवानी, थाना साजा, जिला बेमेतरा को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 137/2026 पंजीबद्ध कर छत्तीसगढ़ कृषक पशु परीक्षण संशोधन अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम की धारा 11(2) के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

नौकरी लगाने का झांसा देकर 2 लाख 74 हजार रुपये की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

फर्जी नियुक्ति पत्र देकर आरोपी ने पीड़ित को बनाया था ठगी का शिकार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव (IPS) के निर्देशन में जिले में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने एवं धोखाधड़ी संबंधी प्रकरणों में आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी पंडरिया निरीक्षक अजय सिन्हा के नेतृत्व में थाना पंडरिया पुलिस द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

घटना का विवरण- प्रार्थी नंदलाल चन्द्राकर, निवासी किशुनगढ़ द्वारा दिनांक-23.05.2025 को थाना पंडरिया में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पंकज टंडन पिता स्व. नंदराम टंडन, उम्र 31 वर्ष, निवासी मल्दा कला, थाना हसौद, जिला सक्ती (छत्तीसगढ़), वर्तमान पता सेक्टर पिथरी, सत्यम कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश द्वारा असिस्टेंट मैनेजर/असिस्टेंट पोस्ट मास्टर की नौकरी लगाने का झांसा देकर अलग-अलग समय में कुल 2,74,000/- रुपये प्राप्त किए गए तथा नौकरी के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया गया।

शिकायत पर थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 94/2025, धारा 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। तथा उक्त प्रकरण के संबंध में जिले के वरिष्ठ अधिकारी गणों को थाना प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया, जिस पर जिले के वरिष्ठ अधिकारीगणों के दिशा निर्देश पर विशेष टीम गठित किया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा गवाहों के कथन, घटनास्थल का निरीक्षण एवं आरोपी की पतासाजी सहित विभिन्न पहलुओं पर लगातार कार्रवाई की गई।

आरोपी ने पूछताछ में किया अपराध स्वीकार

पतासाजी के दौरान आरोपी पंकज टंडन को उसके निवास स्थान मल्दा कला, थाना हसौद, जिला सक्ती से पकड़कर थाना लाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसकी नंदलाल चन्द्राकर से पूर्व से जान-पहचान थी। इसी का फायदा उठाते हुए उसने जनवरी 2024 में पोस्ट ऑफिस में नौकरी लगाने का झांसा देकर विश्वास में लिया और अलग-अलग समय पर गूगल-पे के माध्यम से 60,000/- रुपये, दिनांक 21.06.2024 को 1,04,000/- रुपये नगद तथा दिनांक 22.07.2024 को ग्राम कापादाह में 1,10,000/- रुपये नगद प्राप्त किए।

आरोपी द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार कर पीड़ित को सौंपा गया तथा उसे ग्राम सैनगुड़ा, थाना चिल्फी जाकर ज्वाइन करने का भरोसा दिलाया गया। आरोपी से ठगी के रकम के विषय में पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा बताया गया कि मैं दिल्ली चला गया था, और ठगी से प्राप्त रकम को अपने निजी खर्च में उपयोग कर लिया हूँ बताया गया। आरोपी द्वारा पूर्व में उपयोग किए गए लैपटॉप, प्रिंटर, मोबाइल एवं सिम को नष्ट/फेंकने की बात भी पूछताछ में सामने आई।

आरोपी द्वारा ठगी की रकम में से बची 2,000 रुपये की राशि पेश करने पर गवाहों की उपस्थिति में दिनांक 14.09.2026 को विधिवत जप्त की गई है।

आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी है अपराध पंजीबद्ध

आरोपी के विरुद्ध थाना मालखरौदा, जिला सक्ती में भी पूर्व में अपराध क्रमांक 279/2024, धारा 318(4), 338, 336, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध होना पाया गया है।

आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जुडिशल रिमांड पर भेजा गया है।

उक्त कार्यवाही में जिले के वरिष्ठ अधिकारीगणों के कुशल निर्देशन पर थाना पंडरिया प्रभारी निरीक्षक श्री अजय सिन्हा एवं थाना टीम से सहायक उप निरीक्षक मानिक सिन्हा, आरक्षक राजू चंद्रवंशी, आरक्षक मोती राम चन्द्रवंशी का सराहनीय भूमिका रही।

उदका पंचायत में लाखों के कथित घोटाले पर जांच टीम अब तक खामोश, शिकायतकर्ताओं को जांच रिपोर्ट का इंतजार

15वें वित्त आयोग की राशि के दुरुपयोग की शिकायत के बाद तीन सदस्यीय जांच टीम ने की पड़ताल

-विकाश शुक्ला

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत उदका में 15वें वित्त आयोग की राशि के कथित दुरुपयोग का मामला अब जांच रिपोर्ट के इंतजार में अटक गया है। करीब 10 लाख रुपये की राशि के उपयोग को लेकर की गई शिकायत के बाद प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की थी। टीम ने पंचायत पहुंचकर जांच-पड़ताल भी की, लेकिन अब तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं होने से शिकायतकर्ताओं में नाराजगी है। मामले की कार्रवाई और जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

सड़क, पंचायत भवन से लेकर पेयजल व्यवस्था तक पर सवाल

शिकायत में ग्राम पंचायत की सरपंच एवम सचिव पर 15वें वित्त आयोग की राशि के कथित दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार सड़क मरम्मत, पंचायत भवन मरम्मत, पेयजल व्यवस्था, हैंडपंप, बोर खनन, सीसी रोड, नाली सफाई और स्वच्छता सहित विभिन्न कार्यों के नाम पर राशि का आहरण किया गया, जबकि इनमें से कई कार्य मौके पर दिखाई नहीं दिए।

शिकायतकर्ताओं ने पंचायत के आय-व्यय का हिसाब और कार्यों से संबंधित जानकारी मांगी थी। आरोप है कि उन्हें अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद मामले की निष्पक्ष जांच और पंचायत की राशि के आहरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया सहित वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत सौंपी गई।

जांच में करीब तीन लाख रुपये के भुगतान पर उठे सवाल

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की। जांच टीम ने पंचायत पहुंचकर विभिन्न कार्यों और भुगतान से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की।

सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान दो मोटरों, सड़क मरम्मत और जीरा गिट्टी से जुड़े कार्यों में कथित अनियमितताओं के बिंदु सामने आए हैं।

बताया जा रहा है कि करीब एक लाख रुपये की मोटर, लगभग एक लाख रुपये के सड़क मरम्मत कार्य और करीब एक लाख रुपये की जीरा गिट्टी से संबंधित भुगतान अथवा

कार्यों की स्थिति जांच के दायरे में है। प्रारंभिक स्तर पर करीब तीन लाख रुपये की राशि के कथित अनियमित उपयोग या वसूली योग्य होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, इन आरोपों और राशि की वास्तविक स्थिति की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

जांच पूरी होने के बाद भी रिपोर्ट क्यों लंबित?

जांच टीम द्वारा मौके पर पड़ताल किए जाने के बावजूद रिपोर्ट अब तक अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि जांच के दौरान भुगतान और कार्यों में विसंगतियां सामने आई हैं, तो रिपोर्ट सार्वजनिक करने में देरी क्यों हो रही है? क्या जांच रिपोर्ट तैयार करने में असामान्य विलंब हो रहा है

या फिर मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास किया जा रहा है?

इन सवालों का जवाब अब संबंधित अधिकारियों को देना होगा। ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं की मांग है कि जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

शासकीय राशि के उपयोग का होना चाहिए भौतिक सत्यापन

15वें वित्त आयोग की राशि गांव के विकास और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे में सड़क, पेयजल, सफाई, पंचायत भवन और अन्य विकास कार्यों के नाम पर किए गए भुगतान का भौतिक सत्यापन आवश्यक है। कार्यों की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत राशि, माप पुस्तिका, बिल-वाउचर और भुगतान संबंधी दस्तावेजों का मिलान कर ही वित्तीय अनियमितता की पुष्टि की जा सकती है।

यदि जांच में वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होती है, तो संबंधित जिम्मेदारों से नियमानुसार राशि की वसूली और आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्रामीणों की निगाहें अब प्रशासन पर

उदका पंचायत का मामला अब केवल एक शिकायत तक सीमित नहीं रह गया है। करीब 10 लाख रुपये के कथित वित्तीय दुरुपयोग की शिकायत, जांच के दौरान सामने आने वाले करीब तीन लाख रुपये के कथित संदिग्ध भुगतान और तीन सदस्यीय जांच टीम की लंबित रिपोर्ट ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं की निगाहें जनपद पंचायत पंडरिया तथा जिला पंचायत कबीरधाम के अधिकारियों पर टिकी हैं। देखना होगा कि प्रशासन जांच रिपोर्ट सामने लाकर निष्पक्ष कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी सरकारी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

WCPL में सुषमा वर्मा की एंट्री, यास्तिका भाटिया की जगह त्रिनबागो नाइट राइडर्स से जुड़ीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज में खेले जा रहे वूमेन्स कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी WCPL के निर्णायक मुकाबलों से पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने अपनी टीम में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज सुषमा वर्मा को शामिल किया है। सुषमा को यास्तिका भाटिया की जगह टीम में मौका मिला है। यास्तिका भारत ए की आगामी सीरीज के लिए स्वदेश लौट गई हैं।

यास्तिका इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में थीं और फिलहाल WCPL की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। हालांकि, उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की टीम की कप्तानी करने के लिए लौटना पड़ा है। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच तीन मैचों की ODI सीरीज 20 सितंबर से शुरू होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच चार दिवसीय मुकाबला भी खेला जाएगा। सुषमा वर्मा के लिए यह शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी का अहम मौका है। वह आखिरी बार 2023 में साउथ अफ्रीका में हुई T20 इंटरनेशनल ट्राई सीरीज के दौरान भारतीय टीम का हिस्सा बनी थीं, हालांकि उन्हें उस टूर्नामेंट में खेलने का मौका नहीं मिला था।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी सुषमा का अनुभव फिलहाल सीमित रहा है। उन्होंने 2023 वूमेन्स प्रीमियर लीग यानी WPL में गुजरात जायंट्स का प्रतिनिधित्व किया था। उस सीजन में उन्होंने पांच पारियों में 42 रन बनाए थे। हालांकि, हाल के समय में सुषमा ने अपनी बल्लेबाजी और खासकर बड़े शॉट लगाने की क्षमता पर काफी काम किया है। 2025-26 घरेलू ODI टूर्नामेंट में उन्होंने 6 पारियों में 9 छक्के लगाए थे, जो टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी द्वारा लगाए गए तीसरे सबसे ज्यादा छक्के थे।

सुषमा ने WCPL में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा कि नाइट राइडर्स के सेटअप का हिस्सा बनना उनके लिए खास है और T20 गेम पर की गई मेहनत का यह नतीजा है।

सुषमा WCPL 2026 में हिस्सा लेने वाली छठी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अलावा यास्तिका भाटिया और शिखा पांडे त्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ रही हैं, जबकि किरण नवगिरे, पूजा वस्त्राकर और हरलीन देओल बारबाडोस ट्राइडेंट्स की टीम का हिस्सा हैं।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स पहले ही फाइनल में जगह पक्की कर चुकी है। चार टीमों की लीग स्टेज में शीर्ष पर रहने के कारण उसे सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है। दूसरे फाइनलिस्ट का फैसला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच होने वाले प्लेऑफ से होगा।

ICC रैंकिंग में भारत की बादशाहत, श्री चरणी ने 804 रेटिंग पॉइंट से रचा इतिहास, दीप्ति शर्मा ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों ने ICC महिला T20 इंटरनेशनल रैंकिंग में भी अपनी धाक जमा दी है। श्रीलंका को फाइनल में 72 रन से हराकर भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप अपने नाम किया था। अब ताजा ICC रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन का बड़ा फायदा मिला है।

टीम की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने गेंदबाजों की रैंकिंग में करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल कर ली है। वह 800 रेटिंग पॉइंट का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं। उनकी रेटिंग 804 पॉइंट तक पहुंच गई है और वह इस सूची में टॉप पर मजबूती से बनी हुई हैं। हालांकि, टॉप-10 महिला T20I गेंदबाजों की रैंकिंग में सिर्फ 2 ही भारतीय हैं। इनमें श्री चरणी के अलावा दीप्ति शर्मा का नाम है। दीप्ति शर्मा ने भी ताजा रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

श्री चरणी ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट हासिल किए थे। पूरे टूर्नामेंट में उनके नाम 12 विकेट रहे। उनके शानदार प्रदर्शन ने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और अब वह महिला T20I गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शामिल हो गई हैं। महिला T20I गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट हासिल करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के नाम है। इसके बाद श्री चरणी हैं। वहीं, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 802 रेटिंग पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ICC T20I रैंकिंग में अब तक सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाली महिला गेंदबाज

मेगन शट (ऑस्ट्रेलिया) - 806
श्री चरणी (भारत) - 804
सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) - 802
शबनीम इस्माइल (साउथ अफ्रीका) - 781
शेली निट्श्के (ऑस्ट्रेलिया) - 780

दीप्ति शर्मा के निशाने पर नंबर-1 का ताज

श्री चरणी को अब नंबर-1 स्थान के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपनी ही टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा से मिल रही है। एशिया कप में 14 विकेट लेने वाली दीप्ति 4 पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। फाइनल में उन्होंने 19 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए थे।

एलेना रिबाकिना ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलेना रिबाकिना ने US ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। रिबाकिना के लिए यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि अगले सप्ताह जारी होने वाली रैंकिंग में वह सबालेंका को पीछे छोड़कर दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बनने वाली हैं।

रिबाकिना ने न्यूयॉर्क में पहली बार US ओपन ट्रॉफी जीती। सबालेंका ने इससे पहले लगातार दो साल यह खिताब अपने नाम किया था, लेकिन इस बार रिबाकिना ने उनका खिताबी सफर रोक दिया। इसके साथ ही सबालेंका की US ओपन में लगातार 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी टूट गया। वह 2023 के फाइनल में कोको गॉफ से हारने के बाद से न्यूयॉर्क में कोई मुकाबला नहीं हारी थीं। यह रिबाकिना का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है और इस साल उनकी दूसरी बड़ी ट्रॉफी। खास बात यह है कि दोनों ग्रैंड स्लैम जीत उन्होंने सबालेंका को हराकर हासिल की हैं। साल की शुरुआत में रिबाकिना ने सबालेंका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब भी जीता था।

जीती 5.5 मिलियन डॉलर की इनामी राशि

US ओपन का खिताब जीतने के साथ रिबाकिना ने 5.5 मिलियन डॉलर की इनामी राशि भी हासिल की, जो ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे बड़ी इनामी राशि है। इस जीत के साथ इस सीजन में उनके नाम तीन खिताब हो गए हैं। वह सबालेंका और फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा आंद्रीवा के साथ इस साल सबसे ज्यादा तीन खिताब जीतने वाली खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं। रिबाकिना का जन्म रूस में हुआ था, लेकिन वह कजाखस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने 2022 में विंबलडन जीतकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था। अब उनके पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है। आर्यना सबालेंका लगातार तीसरी बार US ओपन चैंपियन बनने के इरादे से कोर्ट पर उतरी थीं। अगर वह सफल होतीं तो 2012 से 2014 के बीच सेरेना विलियम्स के बाद फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनतीं।

ODI ट्राई सीरीज से पहले इंग्लैंड ने उठाया बड़ा कदम, पाकिस्तान पहुंचा ECB का डेलीगेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड यानी ECB की एक निरीक्षण टीम ने 14 सितंबर को लाहौर पहुंचकर पाकिस्तान में होने वाली आगामी ODI ट्राई सीरीज की तैयारियों का जायजा लिया। इंग्लैंड की टीम को पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ अक्टूबर में तीन देशों की ODI सीरीज खेलनी है। इस दौरे से पहले ECB डेलीगेशन ने स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर इंतजामों की समीक्षा की।

ECB की टीम ने लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के अलावा खिलाड़ियों की सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी जुटाई। डेलीगेशन ने स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों और सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक भी की। यह प्रक्रिया विदेशी टीम के पाकिस्तान दौरे से पहले की जाने वाली नियमित सुरक्षा समीक्षा का हिस्सा है।

लाहौर के बाद ECB की टीम रावलपिंडी का दौरा करेगी, जहां वह स्टेडियम और सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण करेगी। ODI ट्राई सीरीज का आयोजन 18 से 31 अक्टूबर के बीच लाहौर और रावलपिंडी में किया जाएगा। सीरीज का पहला मुकाबला 18 अक्टूबर को रावलपिंडी में पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। इसके बाद 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर पाकिस्तान की भिड़ंत इंग्लैंड से होगी। शुरुआती मुकाबलों के बाद टीमें लाहौर पहुंचेंगी, जहां सीरीज का फाइनल 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। इससे पहले श्रीलंका की टीम पाकिस्तान दौरे पर पहुंचेगी। श्रीलंकाई टीम 4 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचेगी और 9 से 13 अक्टूबर के बीच रावलपिंडी में मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की T20I सीरीज खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमें ODI ट्राई सीरीज की तैयारियों में जुटेंगी।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में कई सालों तक इंटरनेशनल क्रिकेट बंद था। साल 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई टीम पर आंतकी हमले के बाद कई सालों तक पाकिस्तान की धरती पर इंटरनेशनल क्रिकेट का आयोजन नहीं हुआ था। ऐसे में पाकिस्तान को अपने घरेलू मैच UAE की धरती पर खेलने पड़े थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से विदेशी टीमें पाकिस्तान दौरे पर आ रही हैं। इंग्लैंड की टीम आखिरी बार 2024 में पाकिस्तान दौरे पर आई थी।

व्यापार

शेयर बाजार ने तेज बढ़त के साथ शुरू किया कारोबार, रॉकेट हुए आईटी स्टॉक्स

मुंबई (एजेंसी)। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों ने आईटी स्टॉक्स के दमदार प्रदर्शन के दम पर तेज बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया। आज सेंसेक्स 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुला। जबकि निफ्टी 50 ने भी 0.76 प्रतिशत की तेजी के साथ ट्रेडिंग शुरू की। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस जैसी दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयर जोरदार तेजी के साथ खुले। इनके अलावा, आज एचडीएफसी बैंक के शेयरों ने भी बंपर तेजी के साथ कारोबार शुरू किया।

मंगलवार को 587.87 अंकों की बढ़त लेकर खुला सेंसेक्स

हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में बीएसई सेंसेक्स 587.87 अंकों (0.79%) की तेजी के साथ 75,369.63 अंकों पर खुला। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स आज 178.05 अंकों (0.76 प्रतिशत) उछलकर 23,576.15 अंकों पर खुला। बताते चलें कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी के बीच पिछले हफ्ते बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। बताते चलें कि सोमवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर शेयर बाजार की छुट्टी थी।

निफ्टी 50 की 50 में से 30 कंपनियों के शेयर लाल निशान में खुले

मंगलवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 16 कंपनियों के शेयर ही बढ़त लेकर हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 14 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 19 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ हरे निशान में खुले और बाकी की 30 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले और एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के खुला।

एचसीएल टेक के शेयरों में भारी बढ़त

हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा 4.40 प्रतिशत की तेजी के साथ खुले। जबकि, देश की प्रमुख सरकारी डिफेंस कंपनी बीईएल के शेयर ने आज सबसे ज्यादा 1.06 प्रतिशत के नुकसान के साथ कारोबार शुरू किया।

हरे निशान में खुले इन्फोसिस, टेक महिंद्रा समेत ये शेयर

सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज इन्फोसिस के शेयर 4.28 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.99 प्रतिशत, टीसीएस 3.47 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 2.90 प्रतिशत, एटरनल 1.08 प्रतिशत, सन फार्मा 0.52 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.49 प्रतिशत, आईटीसी 0.40 प्रतिशत, एलएंडटी 0.25 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.16 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 0.14 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.09 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 0.09 प्रतिशत, ट्रेंट 0.06 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स के शेयर 0.01 प्रतिशत की बढ़त लेकर खुले।

पैसेंजर कार की थोक बिक्री अगस्त में 36.5% बढ़कर 4,39,309 हुई

मुंबई (एजेंसी)। देश में पैसेंजर कार की थोक बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 36.5 प्रतिशत बढ़कर 4,39,309 यूनिट हो गई। SIAM ने मंगलवार को बिक्री से जुड़े ताजा आंकड़ें जारी किए। अगस्त 2025 में पैसेंजर कारों की थोक बिक्री 3,21,901 यूनिट रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) ने बयान में कहा कि अगस्त में कुल टू-व्हीलर्स की बिक्री 10.5 प्रतिशत बढ़कर 20,34,698 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल अगस्त में ये 18,41,954 यूनिट थी। इसके अलावा, इस साल अगस्त में थ्री-व्हीलर्स की थोक बिक्री 22.8 प्रतिशत बढ़कर 93,764 यूनिट हो गई। जबकि अगस्त 2025 में ये 76,324 यूनिट थी।

सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा, "पैसेंजर कारों, टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स के सेगमेंट में अगस्त 2026 की अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई है। अगस्त 2026 में पैसेंजर कारों की बिक्री 4.39 लाख यूनिट रही, जिसमें 36.5 प्रतिशत की डबल डिजिट की बढ़ोतरी हुई। थ्री-व्हीलर्स की बिक्री 0.94 लाख यूनिट रही, जिसमें 22.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं टू-व्हीलर्स की बिक्री 20.35 लाख यूनिट रही, जो पिछले साल अगस्त 2025 की इसी अवधि की तुलना में 10.5 प्रतिशत ज्यादा है।" राजेश मेनन ने कहा, "भारत की ऑटो इंडस्ट्री मजबूत ग्रोथ के दौर से गुजर रही है।"

कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, बलिया, छपरा के रास्ते दिल्ली से पटना तक चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ को मैनेज और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने के लिए रेलवे रोजाना नई स्पेशल ट्रेनों की घोषणा कर रही है। इसी सिलसिले में भारतीय रेल के उत्तर मध्य रेलवे ने दिल्ली के आनंद विहार और पटना के पाटलिपुत्र के बीच एक नई स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस ट्रेन की मदद से दीपावली और छठ पूजा के लिए घर जाने वाले लोगों को न सिर्फ कन्फर्म सीट मिलेगी, बल्कि उनका सफर भी सुविधाजनक और आरामदायक बनेगा।

1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक रोजाना चलेगी ट्रेन

उत्तर मध्य रेलवे ने बताया कि आनंद विहार और पाटलिपुत्र के बीच शुरू होने वाली ये स्पेशल ट्रेन कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, बलिया, छपरा रूट से चलाई जाएगी। रेलवे के मुताबिक, आनंद विहार और पाटलिपुत्र के बीच शुरू होने वाली नई स्पेशल ट्रेन को रोजाना चलाया जाएगा। आनंद विहार से पाटलिपुत्र तक जाने वाली ट्रेन 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक रोजाना चलाई जाएगी। जबकि, पाटलिपुत्र से आनंद विहार तक जाने वाली ट्रेन 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक रोजाना चलाई जाएगी। इस तरह से ये स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं से 60-60 ट्रिप लगाएगी। इस स्पेशल ट्रेन से लाखों यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

किन-किन रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी ट्रेन

रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, ये स्पेशल ट्रेन अपनी यात्रा के दौरान गाजियाबाद, चिपियाना बुजुर्ग, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना बलिया, सहतवार, बकुलहा, छपरा जंक्शन, छपरा ग्रामीण और दिगवारा रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में सेकेंड क्लास एसी का 1, थर्ड क्लास एसी के 2, स्लीपर क्लास के 9 और जनरल क्लास के 6 डिब्बे समेत कुल 20 डिब्बे होंगे।

आनंद विहार से पाटलिपुत्र तक जाने वाली ट्रेन नंबर- 04096, आनंद विहार-पाटलिपुत्र स्पेशल ट्रेन रोजाना आधी रात 00.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात में 23.00 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी।

फेस्टिव सीजन में Flipkart का बड़ा ऐलान, देशभर में निकाली 2.50 लाख से ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है और नोकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बड़ी खबर है। ऑनलाइन शॉपिंग की बढ़ती मांग को देखते हुए ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट (Flipkart) ने 2.50 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करने का ऐलान किया है। खास बात यह है कि इनमें बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो पहली बार नौकरी की दुनिया में कदम रखेंगे। फेस्टिव सेल के दौरान ऑर्डर बढ़ने की उम्मीद के बीच कंपनी अपने वेयरहाउस से लेकर ग्राहकों के घर तक सामान पहुंचाने वाले नेटवर्क को तेजी से मजबूत कर रही है।

फ्लिपकार्ट के अनुसार, इस भर्ती अभियान के तहत करीब 75,000 पदों पर ऐसे लोगों को मौका मिलेगा, जो पहली बार वर्कफोर्स का हिस्सा बनेंगे। यह कुल रोजगार अवसरों का करीब 30 फीसदी है। कंपनी का यह कदम युवाओं और पहली बार नौकरी करने वालों के लिए बड़ा अवसर साबित हो सकता है। कंपनी की यह हायरिंग देशभर में फैले 7000 से ज्यादा Ekart सुविधाओं से जुड़ी है। इसमें फुलफिलमेंट सेंटर, सॉर्टेशन हब और लास्ट-माइल डिलीवरी ऑपरेशन शामिल हैं। फेस्टिव सीजन में लाखों एक्स्ट्रा ऑर्डर आने की संभावना को देखते हुए इन सभी क्षेत्रों में कर्मचारियों की जरूरत बढ़ाई जा रही है।

सबसे ज्यादा नौकरियां डिलीवरी सेक्टर में

फ्लिपकार्ट ने बताया कि नई नौकरियों में सबसे बड़ा हिस्सा लास्ट-माइल डिलीवरी का होगा। करीब 60 फीसदी नए रोजगार, यानी लगभग 1.4 लाख अवसर, सामान को अंतिम रूप से ग्राहकों तक पहुंचाने वाले काम से जुड़े होंगे। इसके अलावा कंपनी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 900 से ज्यादा नए फेस्टिव डिलीवरी हब भी जोड़ रही है। खासतौर पर टियर-2 और टियर-3 शहरों में नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। फ्लिपकार्ट मिनट्स की बढ़ती सेवाओं को देखते हुए भी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

सप्लाई चेन में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

कंपनी के सप्लाई चेन वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। फ्लिपकार्ट के मुताबिक, अब उसकी सप्लाई चेन में 20 फीसदी से ज्यादा कर्मचारी महिलाएं हैं। फेस्टिव सीजन से पहले ई-कॉमर्स सेक्टर में रोजगार का माहौल काफी मजबूत दिखाई दे रहा है। फ्लिपकार्ट के अलावा अमेजन इंडिया ने भी 1.6 लाख से ज्यादा मौसमी रोजगार अवसर पैदा किए हैं, जबकि मीशो पहले ही 10 लाख से ज्यादा सीजनल जॉब्स तैयार होने की उम्मीद जता चुकी है। ऐसे में त्योहारों की बढ़ती खरीदारी के साथ देशभर में रोजगार के नए अवसर खुलते नजर आ रहे हैं।

33% प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुआ आईपीओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड आज घरेलू शेयर बाजार में लिस्ट हो गई और कंपनी के शेयरों ने बाजार में जोरदार शुरुआत की। बीएसई पर प्रणव कंस्ट्रक्शंस के शेयर अपने 124 रुपये के इश्यू प्राइस से 30.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 162 रुपये पर कारोबार शुरू किया। जबकि एनएसई पर कंपनी के शेयर 33 प्रतिशत की बंपर बढ़त के साथ 165 रुपये पर लिस्ट हुआ।

कंपनी का मार्केट कैप 1,520.97 करोड़ रुपये रहा। प्रणव कंस्ट्रक्शंस का आईपीओ 7 सितंबर को खुला था और 9 सिंतबर को बंद हुआ था। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला और तीसरे दिन इसे कुल 121 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था।

बताते चलें कि इस आईपीओ को पहले दिन 5.69 गुना और दूसरे दिन कुल 18.20 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

एल्यूमिनियम निर्माण के अगले अध्याय को आकार देते बालको के इंजीनियर

बालकोनगर (दैनंदिनी ब्यूरो)। हर बड़े बदलाव की शुरुआत एक छोटे से सवाल से होती है, क्या इसे और बेहतर किया जा सकता है? और इस सवाल का जवाब तलाशते हैं वे इंजीनियर, जो हर दिन बालको के संयंत्र में प्रक्रियाओं, तकनीक और आंकड़ों के बीच नए समाधान खोज रहे हैं। एल्यूमिनियम निर्माण सिर्फ धातु को आकार देने की प्रक्रिया नहीं है। यह कई चरणों, तकनीकों और विशेषज्ञताओं से जुड़ी एक ऐसी यात्रा है, जहाँ एक छोटे से सुधार का असर पूरी प्रक्रिया पर दिखाई दे सकता है।

सुरक्षा को बेहतर बनाना हो, गुणवत्ता में निरंतरता लानी हो, संसाधनों का बेहतर उपयोग करना हो या तकनीक की मदद से निर्णय लेने के नए तरीके तलाशने हों, बालको के इंजीनियर हर स्तर पर इस बदलाव का हिस्सा हैं।

बालको जब 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) एल्यूमिनियम उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह यात्रा केवल क्षमता बढ़ाने की नहीं, बल्कि प्रक्रियाओं को और मजबूत, स्मार्ट और टिकाऊ बनाने की भी है। इस यात्रा में इंजीनियर अपने तकनीकी ज्ञान, अनुभव और समस्या समाधान की सोच के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बालको की 525 किलोएम्पियर पॉटलाइन जैसे उच्च क्षमता वाले संयंत्र में काम करना अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी है। यहाँ हर प्रक्रिया का अपना महत्व है और हर निर्णय उत्पादन की निरंतरता से जुड़ा होता है।

पॉटलाइन संचालन से जुड़ी प्रियंका साहू कहती हैं, "मैं उन युवा इंजीनियर्स में से एक हूँ, जिन्हें बालको की 525 किलोएम्पियर पॉटलाइन जैसी भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियों में से एक के साथ काम करने का अवसर मिल रहा है। यहाँ प्रक्रियाएँ जितनी बड़ी हैं, सीखने और नवाचार के अवसर भी उतने ही बड़े हैं। किसी छोटे से बदलाव का भी उत्पादन पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है और हम हर दिन ऐसे छोटे-छोटे सुधारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं।"

बालको की डिजिटल टीम से जुड़े नवप्रीत सिंह घई बताते हैं, "एक संयंत्र में प्रक्रियाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में जानकारी तैयार होती है। हमारी भूमिका इस जानकारी को उन लोगों के लिए उपयोगी बनाना है, जो इन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

एआई और डेटा आधारित तकनीकों की मदद से हम पैटर्न पहचान सकते हैं, संचालन में होने वाले बदलावों को समझ सकते हैं और अधिक स्पष्टता के साथ निर्णय ले सकते हैं। इससे हमें प्रक्रियाओं को एक अलग दृष्टिकोण से देखने में मदद मिलती है और कई बार हम किसी छोटे बदलाव के बड़ी चुनौती बनने से पहले ही उस पर कार्रवाई कर पाते हैं।"

एल्यूमिनियम निर्माण में निरंतरता का सीधा संबंध उत्पाद की गुणवत्ता से है। प्रक्रिया एवं गुणवत्ता नियंत्रण टीम से जुड़े अज्लान शरीफ कहते हैं, "जब आप किसी प्रक्रिया के साथ रोज काम करते हैं, तो उसमें होने वाले छोटे-छोटे बदलावों को पहचानना शुरू कर देते हैं। हम आंकड़ों का अध्ययन करते हैं, उन्हें कार्यस्थल पर दिखाई देने वाली स्थिति से मिलाते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि बदलाव क्यों आया। कई बार किसी समस्या का समाधान प्रक्रिया के सही बिंदु पर किए गए एक छोटे से सुधार में ही छिपा होता है। समय के साथ ऐसे छोटे-छोटे सुधार मिलकर पूरी प्रक्रिया के प्रदर्शन को बेहतर बनाते हैं।"

कास्टहाउस में भी इंजीनियरों की भूमिका केवल पिघले हुए एल्यूमिनियम को तैयार उत्पादों में बदलने तक सीमित नहीं है। कास्टहाउस से जुड़ी आशिका सिंह कहती हैं, "हम केवल पिघले हुए एल्यूमिनियम को तैयार उत्पादों में नहीं बदलते, बल्कि संसाधनों की दक्षता और प्रक्रियाओं की टिकाऊ क्षमता को बेहतर बनाने पर भी काम करते हैं। चाहे बात ऊर्जा की हो, सामग्री के बेहतर उपयोग की हो या प्रक्रिया की दक्षता की, हर सुधार अधिक मूल्य सृजित करने के साथ हमारे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में योगदान देता है।"

कंपनी की पूरी एल्यूमिनियम मूल्य श्रृंखला में बालको एवं बिजनेस पार्टनर के लगभग 3000 इंजीनियर कर्मचारी अपने तकनीकी ज्ञान, डिजिटल क्षमताओं और समस्या समाधान की सोच को साथ लेकर सुरक्षा, गुणवत्ता, उत्पादकता और टिकाऊ विकास को मजबूत कर रहे हैं। इंजीनियर्स डे पर हम इन इंजीनियरों की उस महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करते हैं, जो आज के विनिर्माण को बेहतर बनाने के साथ-साथ बालको को भविष्य की आवश्यकताओं और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार कर रही है।

बलरामपुर जिले में सेवा और स्नेह का अनूठा संकल्प आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के लिए होगा खिलौना दान

25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक 2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 'आंगन मिलन सेवा'

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बलरामपुर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जोड़ने की दिशा में बलरामपुर जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में 'आंगन मिलन सेवा' (आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ सम्मान) कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप इस पहल के तहत जिले के सभी '2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों' में आने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए जनसहयोग से खिलौने उपलब्ध कराए जाएंगे।

'आंगन मिलन सेवा' का उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों के लिए और अधिक आनंदमय, आकर्षक तथा सीखने के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। इस पहल में जिले के नागरिकों की सहभागिता को विशेष महत्व दिया गया है। 'खिलौना दान इस आयोजन का सबसे आत्मीय और संवेदनशील पक्ष होगा', जिसके माध्यम से जिलेवासी आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ सेवा, स्नेह और अपनत्व का भाव साझा कर सकेंगे। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से अपील की है कि उनके घरों में ऐसे 'सुरक्षित, स्वच्छ एवं उपयोगी खिलौने', जिनका अब उपयोग नहीं हो रहा है, वे उन्हें आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को भेंट कर सकते हैं। इसके साथ ही इच्छुक नागरिक अपनी स्वेच्छा से नए खिलौने खरीदकर भी बच्चों को दान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए किया गया छोटा-सा प्रयास भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। जिले के नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं और व्यवसायिक प्रतिष्ठान 25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच अपने निकटतम आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचकर इस जनभागीदारी अभियान में शामिल हो सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की 'पहली पाठशाला' हैं। यहीं से बच्चों में सीखने, समझने, संवाद करने और सामाजिक व्यवहार की प्रारंभिक नींव तैयार होती है। ऐसे में इन केन्द्रों को बच्चों के लिए अधिक जीवंत और सीखने योग्य बनाने में समाज की सहभागिता निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि आपका छोटा-सा सहयोग किसी बच्चे के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकता है और उसकी सीखने की यात्रा को और समृद्ध कर सकता है। बच्चों के लिए किया गया प्रत्येक छोटा प्रयास उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करने में योगदान देता है।

बच्चों के लिए खिलौने केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे उनके 'रचनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल-खेल में बच्चे नई चीजों को समझते हैं, अपनी कल्पनाशक्ति को विकसित करते हैं और भाषा तथा सामाजिक व्यवहार से जुड़े कौशल सीखते हैं।

जनसहयोग से प्राप्त खिलौनों का उपयोग आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए ऐसा वातावरण तैयार करने में किया जाएगा, जहां वे 'खेलते हुए सीख सकें, अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकें और सीखने की प्रक्रिया का आनंद उठा सकें।' इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की रुचि और सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

'आंगन मिलन सेवा' केवल खिलौना दान तक सीमित पहल नहीं है, बल्कि यह समाज में 'संवेदनशीलता, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करने का अवसर' भी है। एक ओर जहां बच्चों को उनके विकास के लिए उपयोगी संसाधन मिलेंगे, वहीं दूसरी ओर समाज के विभिन्न वर्गों को बच्चों के साथ सीधे जुड़कर सेवा का अवसर मिलेगा।

सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिवस जीपीएम में जलाए जाएंगे 2 लाख आशीर्वाद के दीये

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। एक माह तक चलने वाले इस अभियान में जिलेभर में विविध जनकल्याणकारी, सामाजिक और जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के प्रथम दिवस 17 सितंबर को जिले में शाम 7 बजे 2 लाख आशीर्वाद के दीये प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर मल्टीपर्पस स्कूल मैदान पेंड्रा में जिला स्तरीय दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां 11 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे।

जिला स्तरीय आयोजन के साथ ही गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के तीनों जनपद पंचायत क्षेत्रों में भी जनभागीदारी के साथ दीप प्रज्वलन किया जाएगा। मरवाही जनपद पंचायत की 10, गौरेला जनपद पंचायत की 8 और पेंड्रा जनपद पंचायत की 7 चयनित ग्राम पंचायतों में 25 हजार दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ ही पेंड्रा स्थित दुर्गा सरोवर, जिले के सभी अमृत सरोवरों, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों, महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों, बिहान समूह की महिलाओं तथा सभी शासकीय कार्यालयों और संस्थाओं में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

इस सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से जिले के गांवों से लेकर शहरों तक सेवा और जनभागीदारी का संदेश पहुंचाया जाएगा।कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने सभी विभागों को बेहतर आपसी समन्वय के साथ अभियान के लिए निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सभी कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धान के साथ मछलीपालन से बदली किसानों की किस्मत, 150 किसान बने मत्स्यपालक

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कभी केवल धान की खेती पर निर्भर रहने वाले महासमुंद जिले के किसानों ने अब मछली पालन को आय और रोजगार का नया जरिया बना लिया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से जिले के करीब 150 किसान मत्स्य पालन से जुड़कर अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं। किसी ने तालाब बनाकर मछली पालन शुरू किया तो किसी ने हैचरी और पाउंड लाइनर यूनिट स्थापित कर इसे व्यवसाय का रूप दिया। योजना के तहत मिलने वाले अनुदान ने किसानों के लिए इस कारोबार में निवेश की राह आसान की है।

बिरकोनी के किसान दिनेश चन्द्राकर की कहानी इस बदलाव की मिसाल है। पारंपरिक खेती में बढ़ती लागत को देखते हुए उन्होंने मछली पालन को आय का नया साधन बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत करीब 7.50 लाख रुपए की लागत से एक हेक्टेयर में तालाब तैयार कराया। इसके बाद करीब 14 लाख रुपए की लागत से 20 हजार वर्गफुट में मछली हैचरी स्थापित की। सरकारी अनुदान से उन्हें अपने व्यवसाय को विस्तार देने में मदद मिली।

दिनेश बताते हैं कि हैचरी में मछली के बच्चे तैयार कर तालाब में डाले जाते हैं। करीब 8 से 9 महीने में 15 टन तक मछली तैयार हो जाती है। एक किलो मछली तैयार करने में करीब 70 से 80 रुपए की लागत आती है, जबकि बाजार में यह 120 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक जाती है। तैयार मछली को मछुआरों के माध्यम से बाजार तक पहुंचाया जाता है। इससे उन्हें खेती के साथ अच्छी अतिरिक्त आमदनी हो रही है।

बकमा के हिमांशु चंद्राकर ने भी योजना का लाभ लेकर मछली पालन को व्यवसाय का रूप दिया। उन्होंने करीब 28 लाख रुपए की लागत से दो पाउंड लाइनर यूनिट तैयार कराईं। सरकार से उन्हें 60 प्रतिशत अनुदान मिला। हिमांशु के अनुसार सभी खर्च निकालने के बाद उन्हें सालाना करीब 3 से 4 लाख रुपए की बचत हो जाती है। अब मछली पालन उनके परिवार की आय का मजबूत और स्थायी जरिया बन गया है।

सेवा संकल्प अभियान-2026: मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी बुजुर्ग का सहारा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित "सेवा और समर्पण के 25 वर्ष रू सेवा संकल्प अभियान-2026" के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। जशपुर जिले के तपकरा निवासी बुजुर्ग त्रिपुआरी शर्मा की बंद हुई वृद्धावस्था पेंशन की बहाली इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

त्रिपुआरी शर्मा की वृद्धावस्था पेंशन किसी कारणवश बंद हो गई थी। उम्र के इस पड़ाव में पेंशन उनके दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा थी। पेंशन बंद होने से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अपनी समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग ने प्रकरण को तत्काल संज्ञान में लेते हुए आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की।

विभागीय स्तर पर प्रकरण का निराकरण करते हुए शर्मा की वृद्धावस्था पेंशन पुनः शुरू कर दी गई। पेंशन बहाल होने से उन्हें आर्थिक राहत मिली और उनकी चिंता दूर हुई।

पेंशन दोबारा शुरू होने पर त्रिपुआरी शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी समस्या शासन-प्रशासन तक पहुंचाना आसान हुआ और समय पर उसका समाधान भी मिला। उन्होंने हेल्पलाइन व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह आम नागरिकों के लिए अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है।

सेवा संकल्प अभियान-2026 की भावना को साकार करती यह पहल शासन की संवेदनशीलता, प्रशासन की तत्परता और नागरिकों की समस्याओं के प्रति जवाबदेही को दर्शाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से श्री शर्मा की पेंशन बहाली यह संदेश देती है कि शासन पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ-साथ किसी कारणवश लाभ से वंचित होने पर उसके पुनः प्राप्त होने का मार्ग भी सुनिश्चित कर रहा है।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान में चोरी का किया गया खुलासा, 5 बोरी चावल बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार दिनांक 28 अगस्त 26 को प्रार्थी जलेश्वर साहू, निवासी साल्हेघोरी, चौकी डिंडौरी, थाना चिल्फी, जिला मुंगेली द्वारा चौकी डिंडौरी में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह ग्राम साल्हेघोरी स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में विक्रेता है। दिनांक 27 अगस्त 26 को शाम करीब 06:00 बजे राशन वितरण करने के पश्चात दुकान में ताला लगाकर घर चला गया था। दिनांक 28 अगस्त 26 को सुबह करीब 06:40 बजे राशन दुकान का मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ मिला। दुकान के अंदर जाकर देखने पर (पूरक कथन के आधार पर) 05 बोरी चावल चोरी होना पाया गया, जिसकी शासन द्वारा निर्धारित दर 34.31 रुपये के हिसाब से कुल कीमत 13,724 रुपये की चोरी होना पाए जाने से रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 119/2026, धारा 331(4), 305(3), 317(2), 3(5) B.N.S. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला एवं उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती माधुरी धिरही के मार्गदर्शन में साइबर सेल एवं चौकी डिंडौरी पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर चोरी के संबंध में अलग-अलग कार्यविभाजन करते हुए आरोपियों की पतासाजी हेतु टीम को रवाना किया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान बेसिक पुलिसिंग, मुखबिर सूचना एवं तकनीकी आधार पर ग्राम सारधा निवासी रामानंद अहिरवार के चोरी की घटना में संलिप्त होने की जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा तत्काल रामानंद अहिरवार को हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान रामानंद अहिरवार ने दिनांक 28.08.2026 की रात्रि में अपने ग्राम सारधा के साथी राजेश सारथी के साथ मोटर साइकिल एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 28 ई 4456 से ग्राम साल्हेघोरी स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में जाकर 05 बोरी चावल चोरी करना तथा चोरी किए गए चावल को ग्राम गोंड खाम्ही निवासी अनिल साहू के घर/दुकान में बिक्री करना बताया, संदेही आरोपी अनिल साहू से पूछताछ करने पर उसके कब्जे से चोरी किए गए 05 बोरी चावल बरामद किए गए। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा सदर का पाए जाने पर आरोपी 01. रामानंद अहिरवार, पिता ननकुराम अहिरवार, उम्र 27 वर्ष, निवासी सारधा, थाना लोरमी, जिला मुंगेली एवं 02. खरीददार अनिल साहू, पिता बालाराम साहू, उम्र 30 वर्ष, निवासी गोंड खाम्ही, थाना लोरमी, जिला मुंगेली को विधिवत दिनांक 13.09.2026 को दिनांक 14.09.2026 को न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। प्रकरण में शामिल एक अन्य आरोपी राजेश सारथी जो अन्य प्रकरण में जिला बिलासपुर के जेल में निरुद्ध है, पृथक से वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक सत्येंद्रपुरी गोस्वामी (प्रभारी साइबर सेल), उप निरीक्षक मान सिंह (प्रभारी चौकी डिंडौरी), प्रधान आरक्षक नरेश यादव, श्याम डहरिया, नोखे कुर्रे, यशवंत डाहिरे, गुलाब राजपूत, रवि जांगड़े, आरक्षक भेषज पांडेकर, अतुल ठाकुर, हेम सिंह ठाकुर, राम कश्यप, संजय पात्रे एवं पवन गंधर्व की अहम भूमिका रही।

नुआखाई समृद्ध कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाता के परिश्रम का उत्सव : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नई फसल के स्वागत और प्रकृति के अनुपम उपहार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाले पावन पर्व नुआखाई के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अन्नदाता किसानों की सुख-समृद्धि, अच्छी फसल और सभी परिवारों की खुशहाली की मंगलकामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई समृद्ध कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। नई फसल के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्न के सम्मान और किसान के अथक परिश्रम के प्रति आदर का भाव प्रकट करता है। खेतों में उपजी नई फसल केवल किसान की मेहनत का प्रतिफल नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा और हमारी कृषि प्रधान संस्कृति की समृद्धि का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा

मुख्यमंत्री ने नुआखाई पर्व की दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हमारे अनेक पर्व और परंपराएं कृषि चक्र, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नुआखाई अपनी मिट्टी, अपनी जड़ों और अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक आत्मीयता, पारिवारिक एकजुटता और आपसी सद्भाव को भी मजबूत करता है। नई फसल की खुशियां जब परिवार और समाज मिलकर साझा करते हैं, तब लोकसंस्कृति और अधिक जीवंत तथा समृद्ध होती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नुआखाई के पावन अवसर पर कामना करते हुए कहा कि प्रकृति की कृपा छत्तीसगढ़ पर सदैव बनी रहे। हमारे किसान साथियों के खेत हरे-भरे और फसलों से लहलहाते रहें, अन्न के भंडार भरें तथा अन्नदाताओं के घर-आंगन में समृद्धि आए। प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का संचार हो तथा आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव निरंतर मजबूत होता रहे।

हल्दी की खेती से बढ़ रही फसल विविधता

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन के साथ-साथ फसल विविधता को भी लगातार बढ़ावा मिल रहा है। उद्यानिकी फसलों की खेती को प्रोत्साहन मिलने से किसान अब पारंपरिक साग-सब्जी और फल उत्पादन के साथ मसाला फसलों की खेती में भी रुचि लेने लगे हैं। इससे प्रदेश में मसाला फसलों का क्षेत्र विस्तार होने के साथ किसानों के लिए आय के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं। इसी दिशा में वर्ष 2026-27 में राज्य पोषित मद के अंतर्गत मसाला क्षेत्र विस्तार प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है।

हर जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: मंत्री राजेश अग्रवाल

» लखनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मिले पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल

» 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित कर 'सेवा संकल्प अभियान' में सहभागी बनने का किया आह्वान

रायपुर ■ दैनन्दिनी

सरगुजा दौरे के दौरान नगर पंचायत लखनपुर पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हितग्राहियों से आवास निर्माण की स्थिति, योजना से मिले लाभ तथा आवास से जुड़ी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार गरीब तथा जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी संकल्प का महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसके माध्यम से अनेक परिवारों को अपने पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिला है।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह गरीब परिवारों के सम्मान, स्वाभिमान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराने का जो संकल्प लिया है, उससे देश के लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पक्का मकान मिलने से परिवारों को न केवल सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला है, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति नई उम्मीद भी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पात्र हितग्राहियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी जरूरतमंद परिवार को आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहना पड़े। हितग्राहियों से चर्चा के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने उनकी व्यक्तिगत समस्याओं और आवास निर्माण से संबंधित आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उसका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने की अपेक्षा की। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, जनकल्याण और जनभागीदारी के भाव को निरंतर मजबूती मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि 17 सितंबर की संध्या 7 बजे अपने-अपने घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित करें और सेवा, समर्पण तथा जनभागीदारी के इस संकल्प से जुड़ें। उन्होंने कहा कि घरों में प्रज्ज्वलित होने वाला आशीर्वाद का दीया समाज में सेवा और सकारात्मकता का संदेश भी देगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सेवा और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री आवास योजना ने जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सुरक्षा और खुशहाली का प्रकाश फैलाया है, उसी तरह 'आशीर्वाद का दीया' सेवा, विश्वास और संकल्प की भावना को घर-घर तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों सहित नागरिकों से अपील की कि वे 17 सितंबर को अपने घरों में आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित कर सेवा संकल्प अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और अधिक से अधिक लोगों को इस जनभागीदारी से जोड़ें।

इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों ने मंत्री श्री अग्रवाल से अपने अनुभव साझा किए और योजना से मिले लाभ के संबंध में जानकारी दी। हितग्राहियों ने बताया कि पक्का आवास मिलने से उनके परिवारों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य की उम्मीद बढ़ी है। मंत्री श्री अग्रवाल ने हितग्राहियों की बातों को सुना और शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से संबंधित सुझावों पर भी चर्चा की।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और जनसेवा को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीब परिवारों को पक्की छत देकर उनके जीवन में सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाया है।

जशपुर में जनजातीय पर्यटन को बड़ी सौगात, पीएम-जुगा के तहत क्लस्टर होमस्टे परियोजना को मिली मंजूरी

जनजातीय संस्कृति और स्थानीय आजीविका को पर्यटन से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता-पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में जनजातीय पर्यटन को नई ऊंचाई देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (PM-JUGA) के अंतर्गत जशपुर जिले के बगीचा-मयाली-जशपुर क्लस्टर में क्लस्टर आधारित होमस्टे परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के माध्यम से जनजातीय अंचल के गांवों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के साथ-साथ स्थानीय परिवारों को पर्यटन गतिविधियों से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। परियोजना के तहत किंकेल, कमतरा, डंगरी, महनई, सरुधाप और पंडरापाठ सहित 6 जनजातीय गांवों में कुल 30 नए होमस्टे विकसित किए जाएंगे। प्रत्येक गांव में 5 होमस्टे तैयार किए जाने का प्रस्ताव है। इस क्लस्टर के विकास पर लगभग 1.80 करोड़ रुपये व्यय प्रस्तावित है। इसमें होमस्टे निर्माण के साथ गांव स्तर पर आवश्यक सामुदायिक सुविधाओं के विकास का भी प्रावधान किया गया है।

पर्यटक जशपुर को सिर्फ देखेंगे नहीं, यहां के जीवन को भी अनुभव करेंगे

यह परियोजना पारंपरिक होटल आधारित पर्यटन से आगे बढ़कर कम्यूनिटी बेस्ड को प्रोत्साहित करेगी।

होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्थानीय परिवारों के बीच रहकर जशपुर की जनजातीय संस्कृति, खान-पान, लोक परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

इससे पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंचेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रस्तावित होमस्टे स्थानीय परिवेश और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक गांव में सामुदायिक स्तर की सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपये तक के कार्य प्रस्तावित हैं। इन सुविधाओं से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलने के साथ गांवों में सामूहिक उपयोग की आधारभूत सुविधाएं भी विकसित होंगी।

प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों से जुड़ेगा होमस्टे क्लस्टर

क्लस्टर का चयन क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रस्तावित गांव बगीचा और जशपुर नगर के साथ-साथ कैलाश गुफा, खुड़ियारानी गुफा, बादलखोल अभयारण्य, रानीदाह जलप्रपात, देशदेखा पहाड़, लोरोघाट सहित अनेक प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों के निकट स्थित हैं। होमस्टे सुविधा विकसित होने से पर्यटकों के लिए इन क्षेत्रों में ठहरने के बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे। इससे जशपुर में पर्यटकों की ठहरने की अवधि बढ़ने की संभावना है और पर्यटन गतिविधियों का लाभ स्थानीय स्तर पर व्यापक रूप से पहुंच सकेगा।

गाइडिंग से लेकर स्थानीय व्यंजन और हस्तशिल्प तक बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

होमस्टे क्लस्टर का प्रभाव केवल आवास सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा। परियोजना के माध्यम से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को आतिथ्य सेवा, स्थानीय व्यंजन, पर्यटक गाइड, परिवहन, हस्तशिल्प तथा अन्य पर्यटन सेवाओं से जोड़ने की संभावनाएं विकसित होंगी। पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक खान-पान और हस्तशिल्प की मांग में भी वृद्धि हो सकती है। इस प्रकार पर्यटन गतिविधियां गांवों में रोजगार और आय के अनेक सहायक अवसरों को जन्म देंगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय और ग्रामीण संस्कृति प्रदेश की विशिष्ट पहचान है और सरकार का प्रयास है कि इस विरासत को संरक्षित करते हुए स्थानीय समुदायों को पर्यटन से प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि जशपुर प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और विशिष्ट लोक परंपराओं से समृद्ध क्षेत्र है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत स्वीकृत यह क्लस्टर होमस्टे परियोजना पर्यटन को गांवों तक पहुंचाने और स्थानीय परिवारों को इसके आर्थिक लाभ से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि पर्यटक जब जशपुर आएं तो वे यहां की प्रकृति के साथ-साथ जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपराओं को भी करीब से अनुभव करें। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि स्थानीय युवाओं और महिलाओं को पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में अवसर मिलने से रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदाय की भागीदारी से विकसित पर्यटन मॉडल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि जशपुर की सांस्कृतिक पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पर्यटन का लाभ गांव और स्थानीय परिवारों तक पहुंचे-सौमिल रंजन चौबे

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे ने कहा कि पर्यटन का लाभ केवल बड़े पर्यटन स्थलों अथवा होटल व्यवसाय तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि गांव और स्थानीय परिवारों को भी इसका सीधा भागीदार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जशपुर का यह होमस्टे क्लस्टर स्थानीय संस्कृति, प्रकृति और आजीविका को एक साथ जोड़ने वाला मॉडल बनेगा। इ

विजय शर्मा और भूपेश बघेल में बहस से पहले ही सामने आ गया PM आवास का आँकड़ा !

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना पर जारी सियासत अब पक्ष और विपक्ष के बीच आमने-सामने की बहस पर आ गई है. उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस मुद्दे पर खुलकर बहस के लिए तैयार हो गए. एक-दूसरे ने पत्रकारों के सामने खुली डिबेट की चुनौती स्वीकार कर ली. लेकिन बहस से पहले ही पीएम आवास का एक सरकारी आँकड़ा सामने आ गया है. विभाग की ओर से जारी किए गए इस आंकड़ें में भारत के राज्यवार जानकारी दी गई है. साथ ही प्रदेश में रमन सरकार से लेकर भूपेश सरकार और वर्तमान साय सरकार के आंकड़ें भी हैं. विभाग की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत छत्तीसगढ़ ने वर्ष 2025-26 में देश के प्रमुख राज्यों के बीच बेहतर प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2025-26 के दौरान 5,92,508 आवास पूर्ण किए गए। यह आंकड़ा सूची में शामिल राज्यों में सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में 4,90,185, महाराष्ट्र में 4,42,074, बिहार में 2,63,151, राजस्थान में 2,02,234, ओडिशा में 1,61,256, असम में 1,35,426 और गुजरात में 1,23,451 आवास पूर्ण हुए।

छत्तीसगढ़ में साल-दर-साल बढ़ा आवास निर्माण

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पूर्ण हुए आवासों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2016-17 में 136 आवास पूर्ण हुए थे। इसके बाद 2017-18 में यह संख्या बढ़कर 3,65,867 और 2018-19 में 3,41,378 रही। इसके बाद 2019-20 में 34,587, 2020-21 में 59,684, 2021-22 में 23,289 और 2022-23 में 33,688 आवास पूर्ण हुए। वहीं 2023-24 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,54,789 और 2024-25 में 2,52,771 पहुंच गया। सबसे बड़ी छलांग वर्ष 2025-26 में देखने को मिली, जब छत्तीसगढ़ में 5,92,508 आवास पूर्ण किए गए। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1,98,414 पूर्ण आवास का आंकड़ा दर्शाया गया है।

साल-दर-साल आवास पूर्ण होने का आंकड़ा

2016-17:	136 आवास
2017-18:	3,65,867 आवास
2018-19:	3,41,378 आवास
2019-20:	34,587 आवास
2020-21:	59,684 आवास
2021-22:	23,289 आवास
2022-23:	33,688 आवास
2023-24:	1,54,789 आवास
2024-25:	2,52,771 आवास
2025-26:	5,92,508 आवास
2026-27:	1,98,414 आवास

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 के बाद आवास निर्माण की रफ्तार में तेजी आई। 2023-24 में 1.54 लाख आवास पूर्ण हुए थे, जो 2024-25 में बढ़कर 2.52 लाख और 2025-26 में करीब 5.93 लाख हो गए।

2026-27 के लिए 3.65 लाख आवास का लक्ष्य

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए 3,65,179 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 1,98,414 आवास पूर्ण होने का आंकड़ा दर्ज है। यानी निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले करीब 54.3 फीसदी आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं रिपोर्ट में बताया गया है कि 11 सितंबर 2026 को भारत सरकार की ओर से नवीन आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के आधार पर वर्ष 2026-27 के लिए 3,65,179 आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया है।

रायपुर में नियमों की खुलेआम उड़ रही धज्जियां

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर की सड़कों पर नगर निगम के नियमों की खुलेआम अनदेखी होती नजर आ रही है। शहर में जगह-जगह बिजली के खंभों, बिल्डिंगों और सड़क किनारे रंग-बिरंगे फ्लैक्स-बैनर लटके हुए हैं। इनमें राजनीतिक नेताओं के जन्मदिन और बधाई संदेश से लेकर व्यावसायिक विज्ञापन और सरकारी कार्यक्रमों के प्रचार तक शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से कई पोस्टर-बैनर उन मार्गों पर भी लगे हैं, जिन्हें नगर निगम ने 'नो फ्लैक्स जोन' घोषित कर रखा है। इन लटकते फ्लैक्स से जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं हवा और बारिश के दौरान इनके गिरने का खतरा भी बना रहता है। सड़क के बीच या किनारे लगाए गए बड़े-बड़े बैनर कई जगह वाहन चालकों की विजिबिलिटी भी प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि नियमों के बावजूद इन पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

छह प्रमुख मार्गों पर फ्लैक्स प्रतिबंधित

नगर निगम ने आउटडोर एडवरटाइजमेंट पॉलिसी के तहत बिना अनुमति, शुल्क या निर्धारित मापदंडों के विपरीत पोस्टर-बैनर लगाने पर जुर्माने का प्रावधान किया है। शहर के 10 जोनों में पोस्टर-बैनर लगाने के लिए निर्धारित स्थल भी चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा छह प्रमुख मार्गों को नो फ्लैक्स जोन घोषित किया गया है। इनमें महिला थाना से बूढ़ेश्वर मंदिर, तेलीबांधा थाना चौक से टाटीबंध, कोतवाली से जयस्तंभ चौक, सिविल लाइन और पचपेड़ी नाका से लालपुर ओवरब्रिज तक के प्रमुख मार्ग शामिल हैं। हालांकि सरकारी फ्लैक्स को कुछ स्थानों पर छूट दी गई है।

नो फ्लैक्स रूट पर ही लगे बैनर

जमीनी हकीकत निगम के दावों से अलग नजर आ रही है। महिला थाना से बूढ़ेश्वर मंदिर जाने वाले नो फ्लैक्स मार्ग पर बिजली के खंभों में कवि सम्मेलन का फ्लैक्स और ज्वेलर्स का व्यावसायिक विज्ञापन लगा हुआ है। इसी तरह भगत सिंह चौक से टाटीबंध मार्ग पर नुआखाई, भागवत, इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर और फिल्मों के प्रचार से जुड़े पोस्टर-बैनर नजर आ रहे हैं। प्रतिबंधित मार्ग पर इन फ्लैक्स के लंबे समय तक लगे रहने से निगम

की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सड़क के बीच सरकारी फ्लैक्स, विजिबिलिटी पर असर

आकाशवाणी चौक से खजाना चौक तक संस्कृति विभाग के सरकारी फ्लैक्स सड़क के बीच लगाए गए हैं। इनकी वजह से राहगीरों और वाहन चालकों की विजिबिलिटी प्रभावित होने की स्थिति बन रही है। वहीं मेकाहारा अस्पताल से भाजपा कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर नेताओं के जन्मदिन और बधाई संदेश वाले फ्लैक्स खंभों और सड़क किनारे झूलते नजर आ रहे हैं। इनमें से कई फ्लैक्स एक तरफ झुके हुए हैं, जिससे इनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

एमजी रोड पर भी बैनर ही बैनर, उठते सवाल

एमजी रोड पर गणेश चतुर्थी और राजनेताओं की बधाई से जुड़े पोस्टर और फ्लैक्स जगह-जगह लगे हैं। एक व्यावसायिक बिल्डिंग पर करीब 10×20 फीट का विशाल बधाई बैनर लगाया गया है। तेज हवा या बारिश के दौरान इसके फटकर या गिरकर सड़क पर आने की स्थिति में राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। वहीं कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे कि नो फ्लैक्स जोन घोषित करने के बाद भी खंभों और बिल्डिंग पर फ्लैक्स कैसे लग रहे हैं? निगरानी कहां चूक रही है? विशेष अभियान की घोषणा हुई, लेकिन कार्रवाई सीमित क्यों रही? जुर्माना कितने लोगों पर लगा, कितने फ्लैक्स हटाए गए? प्रिंटर्स और फ्लैक्स बनाने वालों से बैठक की बात हो रही है। क्या सिर्फ चेतावनी काफी है, या असली जिम्मेदारी तय की जाएगी? कई जगहों पर ऐसे पोस्टर-बैनर दुर्घटना का कारण बने हैं। कुछ लोग घायल हुए, कुछ की जान चली गई, कुछ अपाहिज हो गए। फिर भी निगम की आंखें कब खुलेंगी?

नेता प्रतिपक्ष ने निगम की कार्रवाई पर उठाए सवाल

नगर निगम की कार्रवाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि निगम कार्रवाई में भेदभाव करता है। उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारी द्वारा अपनी दुकान के सामने पोस्टर लगाने पर कार्रवाई कर दी जाती है, लेकिन प्रतिबंधित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पोस्टर-बैनर लगे होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही। आकाश तिवारी ने कहा कि लटकते पोस्टरों और बैनरों की वजह से पहले भी कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। ऐसे में निगम को केवल औपचारिक कार्रवाई करने के बजाय जिम्मेदारी तय करते हुए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

निगम का दावा- कार्रवाई जारी प्रिंटर्स पर भी होगी सख्ती

नगर निगम की ओर से कहा गया है कि अवैध फ्लैक्स और पोस्टर के खिलाफ कार्रवाई जारी है। संबंधित लोगों तक पहुंचकर कार्रवाई की जा रही है। निगम जल्द ही फ्लैक्स और पोस्टर प्रिंटर्स की बैठक भी आयोजित करेगा। साथ ही फ्लैक्स पर संबंधित प्रिंटर और अन्य जरूरी जानकारी अनिवार्य करने की बात कही गई है, लेकिन सवाल यह है कि जब नो फ्लैक्स जोन में ही खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं तो निगरानी तंत्र कहां है? विशेष अभियान की घोषणा के बाद कितने लोगों पर जुर्माना लगाया गया और कितने फ्लैक्स हटाए गए, इसका स्पष्ट आंकड़ा सामने क्यों नहीं आया?

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com